RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ●07 अगस्त, 2024 वर्षः-12 अंक-101 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

गोल्ड की महक

पेरिस में नीरज चोपड़ा का 'बाहुबली' अवतार

पहले ही प्रयास में मारा 89.34 मीटर का थ्रो, पहुंचे फाइनल में

पेरिस (एजेंसी)। भारत के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने क्वालिफिकेशन राउंड में 89.34 मीटर का थ्रो फेंक कर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। ऐसे में नीरज अब फाइनल में गोल्ड मेडल के लिए भाला फेकेंगे। नीजर क्वालिफिकेशन राउंड में पहले नंबर पर थ्रो फेंकने आए थे। नीरज ने पहले ही थ्रो में 89.34 का थ्रो मारकर फाइनल में एंट्री मार ली। इस तरह भारत का यह स्टार फाइनल में अपने गोल्ड मेडल को डिफेंड करेंगे। नीरज का ये थ्रो उनका सीजन बेस्ट भी रहा। इसके अलावा वह पर्सनल बेस्ट के करीब भी पहुंच गए। वहीं अब उम्मीद है कि फाइनल में नीरज चोपड़ा 90 मीटर की बाधा को पार करने की कोशिश करेंगे। वहीं, पाकिस्तान के अरशद नदीम ने भी अपने पहले ही थ्रो में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने 86.59 मीटर का थ्रो किया, जो उनका सीजन का बेस्ट थ्रो रहा। अब भारत के नीरज से उनकी फाइनल में भिड़ंत होगी। दूसरी ओर, नीरज चोपड़ा के साथी किशोर जेना ग्रुप-ए में थे। उन्होंने 80.73 मीटर का थ्रो किया और अपने ग्रुप में 9वें नंबर पर रहे। वह फाइनल की दौड़ से बाहर हो चुके हैं। पहले राउंड में नीरज चोपड़ा सबसे टॉप रहे। इस तरह नीरज और नदीम बाकी को प्रयास के लिए नहीं आएंगे। बता दें कि भाला फेंक के इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफिकेशन के लिए कम से कम 84 मीटर का थ्रो करना जरूरी था। सभी भाला फेंक एथलीट को 84 मीटर भाला फेंकने के लिए तीन मौके मिलते। हालांकि, जो खिलाड़ी पहले ही प्रयास में इस दूरी को हासिल कर लेता है उसके बाकी के दो अटेंप्ट नहीं करने होते हैं। यही कारण है कि नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम ने बचे हुए प्रयास में हिस्सा नहीं लिया। भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में नीरज चोपड़ा के लिए चुनौती बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाली है। फाइनल में उनकी टक्कर ग्रुप ए से क्वालीफाई करने वाले जूलियन बेवर से होगी। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 87.76 मीटर का थ्रो फेंका था।

बिल्डिंग परमीशन की 104 शिकायतें हैं, ये क्यों बढ़ रहीं

महापौर बोलीं-इतनी शिकायतें पेंडिंग नहीं होनी चाहिए, दिक्कत हो तो बैठकर सुलझाएं

भोपाल। भोपाल के स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से मंगलवार को महापौर राय ने महापौर हेल्पलाइन की समीक्षा की। उन्होंने हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल करके पेंडिंग शिकायतों के बारे में बताया। महापौर ने उद्यान, सिविल, गोवर्धन परियोजना, अतिक्रमण, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवेज, स्ट्रीट डॉग्स प्रभारी को भी कॉल किया। महापौर ने बिल्डिंग परमीशन शाखा के अफसर से कहा कि यदि शिकायतें पुरानी हैं, जो उनकी वजह बताते हुए उन्हें दूर किया जाए। शिकायतों के संबंध में मीटिंग में चर्चा करेंगे। महापौर राय ने बताया कि इस सप्ताह कुल 575 शिकायतें आई हैं। करीब 200 शिकायतों पर काम चल रहा है। बाकी दूर कर दी गई। करीब 1 हजार पुरानी शिकायतें हैं। इनमें सबसे ज्यादा स्ट्रीट डॉग से जुड़ी हैं। लोग खुद बंद नहीं कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि कॉलोनी से हमेशा के लिए डॉग हट जाए, लेकिन निगम के पास संसाधन कम है। वहीं, नियम है कि जहां से डॉग को पकड़ते हैं, वहीं पर छोड़ते हैं। इसलिए शिकायतें पेंडिंग हैं। सीवेज की शिकायतें भी तुरंत दूर कर रहे हैं। महापौर ने मंगलवार को अफसरों के साथ शिकायत करने वाले लोगों को भी कॉल किया। एक व्यक्ति से पूछा कि आपने अतिक्रमण की शिकायत की थी, क्या वह दूर हो गई। इस पर व्यक्ति ने कहा कि कल अमले ने अतिक्रमण हटा दिया, लेकिन आज फिर से जमा हो गया। महापौर ने अगली कार्रवाई करने की बात कहीं।

जनजातीय युवाओं के लिये स्वरोजगार व विकास की तीन नई योजनाएं

- भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना में 33.70 करोड़ की सहायता वितरित
- टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना में 5.08 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता

भोपाल। जनजातीय कार्य विभाग के अधीन मप्र आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा तीन नई वित्तीय सहायता योजनाएं संचालित की जा रही हैं। भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना और मुख्यमंत्री अनुसूचित जनजाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना के माध्यम से जनजातीय वर्ग के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनके समग्र कल्याण के लिये हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। मप्र आदिवासी वित्त एवं विकास निगम को भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के तहत 1000 हितग्राही वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध 31 मार्च 2024 तक कुल 6 हजार 463 आवेदन मिले। इनमें से बैंकों द्वारा 1094 आवेदन मंजूर कर 904 पात्र हितग्राहियों को 33 करोड़ 70 लाख 47 हजार 620 रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की गई। इस योजना में जनजातीय वर्ग के युवाओं को विनिर्माण गतिविधियों के लिए एक लाख से 50 लाख रुपये तथा सेवा व व्यवसाय गतिविधियों के लिए एक लाख से 25 लाख रूपये तक की वित्तीय सहायता बैंकों के माध्यम से दी जाती है। इसके लिए परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। योजना के अन्तर्गत हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष ऋण पर 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अनुदान तथा बैंक ऋण गारंटी शुल्क प्रचलित दर पर अधिकतम 7 वर्षों तक मोरेटोरियम अवधि सहित निगम द्वारा वहन किए जाने का प्रावधान है। योजना में इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देने का भी प्रावधान है।

योजना का क्रियान्वयन शासन द्वारा निर्धारित 'समस्त पोर्टल' के माध्यम से किया जा रहा है, तथा पोर्टल पर यह योजना मुख्यमंत्री उद्यम कांति योजना से समन्वित होती है। जिलास्तर पर योजना का क्रियान्वयन सहायक आयुक्त/जिला संयोजक/शाखा प्रबंधक, मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम एवं महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के माध्यम से किया जा रहा है। योजना के तहत वर्ष 2024-25 हेतु सभी जिलों के सभी बैंकों को वार्षिक लक्ष्य तय कर दिये गये हैं।

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमले

हालात बेकाबू

तख्तापलट के बाद सड़क पर उपद्रवी, मंदिर पर हमला

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हालात बेकाबू हो चुके हैं। हिंसा और आगजनी के बीच अब उपद्रवियों ने अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया। भीड़ चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बना रही है। घरों में आग लगाई जा रही है। दुकानों को लूटा जा रहा है।

इस बीच बांग्लादेश के मेहरपुर इस्कॉन मंदिर की तस्वीरें सामने आई हैं। दंगाइयों ने तोड़फोड़ करने के बाद इस मंदिर को आग के हवाले कर दिया। बांग्लादेशी मीडिया द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, 27 जिलों में हिंदुओं के घरों और दुकानों को निशाना बनाया गया है। कीमती सामान को लूटा गया है। मंदिरों पर भी हमले किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, लालमोनिरहाट सदर उपजिले में धार्मिक हिंदू कार्यों से जुड़े पूजा समिति के सचिव प्रदीप चंद्र रॉय के घर में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई है। दंगाइयों ने नगरपालिका सदस्य मुहिन रॉय की कंप्यूटर दुकान में भी तोड़फोड़ करने के साथ लूटपाट की है। कालीगंज उपजिला के चंद्रपुर गांव में 4 हिंदू परिवारों के घरों में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई है। हातिबंधा उपजिला के पुरबो सरदुबी गांव में 12 हिंदुओं के घरों में आग लगा दी गई है।

बांग्लादेश में संसद भंग, पूर्व पीएम खालिदा जिया रिहा

बांग्लादेश में हिंसा के बीच राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन ने संसद को भंग कर दिया है। साथ ही देश की पूर्व पीएम खालिदा जिया को भी रिहा कर दिया गया है। मंगलवार को बांग्लादेश में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने 3 बजे तक संसद भंग करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही अंतरिम सरकार के लिए नामों का प्रस्ताव देंगे।

बांग्लादेश में अभी भी 19 हजार भारतीय, यही हमारी सबसे बड़ी चिंता

- एस जयशंकर ने कहा-बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर हमारी नजर है

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद दंगों की भयावह तस्वीर ने दुनिया को चिंतित कर दिया है। खासकर, भारत बांग्लादेश में हो रहे हर घटनाक्रम पर लगातार नजर रख रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार बांग्लादेश के राजनीतिक घटनाक्रम पर निरंतर नजर रखे हुए है और जब तक वहां कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं हो जाती भारत की गहरी चिंता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अभी भी 19 हजार भारतीय नागरिक फंसे हुए हैं, जिनमें अधिकतर छात्र हैं। हम उनसे लगातार संपर्क में हैं। जयशंकर ने बांग्लादेश के घटनाक्रम पर राज्यसभा में बयान देते हुए कहा कि पड़ोसी देश का राजनीतिक घटनाक्रम चिंता का विषय है और सरकार अपने राजनयिक मिशनों के माध्यम से वहां रह रहे भारतीय नागरिकों से बराबर संपर्क बनाये हुए है। उन्होंने कहा कि वहां भारत के 19 हजार नागरिक हैं जिनमें करीब नौ हजार छात्र हैं और इनमें से काफी छात्र जुलाई में स्वदेश आ गये थे। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर भी निगाह रखे हुए है। वहां से ऐसी रिपोर्ट आ रही हैं कि कई समूह और संगठन अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और सलामती के लिए कदम उठा रहे हैं।

पीएम हसीना ने मांगी थी भारत की मदद

बांग्लादेश के घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पांच अगस्त को ढाका में कर्फ्यू लागू होने के बावजूद प्रदर्शनकारी बड़ी संख्या में सड़कों पर जमा हो गये थे। हम समझते हैं कि वहां के सुरक्षा प्रतिष्ठान (सेना) के साथ एक बैठक के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा देने का निर्णय किया और थोड़े समय के नोटिस पर उन्होंने कुछ समय के लिए भारत आने की अनुमति का अनुरोध किया था।

फिर अस्पताल में भर्ती हुए आडवाणी हालत स्थिर

- पिछले महीने ही हुए थे डिस्चार्ज, अपोलो में चल रहा इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिस्चार्ज होने के करीब एक महीने बाद वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को मंगलवार को फिर से दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 96 वर्षीय आडवाणी की हालत स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। आडवाणी को न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में भर्ती कराया गया है। पिछले महीने अपोलो अस्पताल में भर्ती होने से कुछ दिन पहले आडवाणी को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भी भर्ती कराया गया था। आडवाणी 2002 से 2004 तक भारत के उपप्रधानमंत्री तथा 1999 से 2004 तक केंद्रीय गृहमंत्री रहे। मार्च में आडवाणी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके आवास पर देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया था। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और आडवाणी के परिवार के सदस्य शामिल हुए थे। पीएम मोदी ने तीसरी सरकार बनाने से पहले उनसे मुलाकात भी की थी। आडवाणी को इसी साल 30 मार्च को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

बिहार से राजस्थान तक फिर 'धूम' मचाएंगे बदरा

जमकर होगी बारिश, 6 राज्यों के लिए मौसम विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विभाग ने ताजा बुलेटिन में कहा है कि बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश होते हुए पश्चिमी राजस्थान तक एक नया मौसमी तंत्र बना हुआ है। इससे कई राज्यों में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान के ऊपर बना निम्न दाब का केंद्र भले ही अब कमजोर पड़ गया है लेकिन इस नए मौसमी तंत्र के कारण राजस्थान के कई इलाकों में सोमवार से ही भारी बारिश हो रही है। हालांकि, आईएमडी ने पहले ही इसका अनुमान जताया था और राजस्थान समेत गुजरात और दूसरे सटे राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। आईएमडी ने ताजा बुलेटिन में कहा है कि राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में बारिश का दौर आगे भी जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने पश्चिमी राजस्थान में कई जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान के अलावा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों, बिहार, बंगाल, ओडिशा, असम और सिक्किम के लिए भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और कुछ जगहों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बीते 24 घंटों के दौरान जैसलमेर, जोधपुर और पाली जिले में कई जगहों पर 'बेहद भारी' बारिश दर्ज की गई है।

प्रदेश के 55 जिलों को जल्द मिलेंगे प्रभारी मंत्री

सीएम बोले-स्वतंत्रता दिवस के पहले डेढ़ करोड़ घरों में तिरंगा लगाएंगे बीजेपी कार्यकर्ता

भोपाल। 15 अगस्त के पहले बीजेपी हर घर तिरंगा अभियान चलाएगी। 11 अगस्त से प्रदेश भर में तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला अध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में बीजेपी नेताओं से कहा कि आप लोग यह सुनिश्चित करें कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और समाज के विशिष्ट जनों, प्रतिभाओं को आमंत्रण पहुंच जाए। हम भी शासन स्तर से प्रयास कर रहे हैं, और आप भी अपने स्तर पर देखिएगा कि जिला प्रशासन के माध्यम से अतिथियों को ठीक से आमंत्रण पहुंच जाएं।

यह कार्यक्रम केवल सरकारी ना हो, समाज और सरकार यानि सबका हो। बहुत जल्दी आपको बहुत प्रभारी मंत्री मिलेंगे जो 55 जिलों में झंडा वंदन करने जाएंगे।

- फसलों का सर्वे करने वॉलेंटियर पंचायतों में नियुक्त होंगे

सीएम ने कहा- अब तक पटवारी के माध्यम से फसलों का सर्वे होता था लेकिन हमने यह तय किया है कि पंचायत में यदि फसल का नुकसान होता है तो उसके सर्वे को डिजिटल करने जा रहे हैं। पंचायत में दो कार्यकर्ता डिजिटल कार्य करने के लिए नियुक्त किए जाएंगे। वे अपने मोबाइल से फोटोग्राफी करके शासन को रिपोर्ट देंगे, ताकि नुकसान होने पर किसान को क्षतिपूर्ति राशि समय से मिल सके।

- सीएम बोले-पड़ोसी देशों की हालत हम सब देख रहे हैं

सीएम ने कहा हमारे लिए 15 अगस्त और 26 जनवरी के दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व विशेष होते हैं। आगामी स्वतंत्रता दिवस पर हाथ में तिरंगा झंडा लेकर जब हम पूरे समाज को जागृत करेंगे। तो इसकी महत्ता और ज्यादा बढ़ जाती है। अगल-बगल के देशों को देखें तो हमारे साथ और हमारे बाद आजाद हुए देशों के लोकतंत्र की हालत क्या हो गई है। दो दिन पहले का बांग्लादेश का घटनाक्रम हमारे सामने है। बगल का पाकिस्तान 14 अगस्त को आजाद हुआ उसके बगल में श्रीलंका की हालत देखी।

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ 'सुप्रीम' शरण में बंगाल सरकार

कहा-एचसी ही राज्य को चलाना चाहता है, हम क्या करें मीलॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कई जातियों का ओबीसी दर्जा खत्म करने वाले हाई कोर्ट के फैसले को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस पर सोमवार को सुनवाई हुई, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस दौरान बंगाल सरकार के वकील ने उच्च न्यायालय पर ही तीखा हमला बोल दिया। ओबीसी कोटे को लेकर बनी जातिवार सूची पर उच्च न्यायालय की तीखी टिप्पणियों पर राज्य सरकार ने ऐतराज जताया। यही नहीं दलीलों के दौरान बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि क्या उच्च न्यायालय ही राज्य को चलाना चाहता है। बंगाल सरकार की वकील इंदिरा जयसिंह ने कहा, ऐसा क्यों हो रहा है। इसलिए क्योंकि वे मुस्लिम हैं वे कहते हैं कि ये धर्म का मामला है। जो पूरी तरह से गलत है। यह कहा जा रहा है कि उन लोगों को इसलिए आरक्षण दिया गया क्योंकि वे मुस्लिम हैं। हमारे पास रिपोर्ट्स हैं कि सभी समुदायों पर विचार किया गया है। मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर काम हुआ है। सरकार राज्य चलाना चाहती है लेकिन अदालत ऐसा करना चाहती है तो फिर करे। आखिर हम क्या कर सकते हैं।

मंडल के 24 कर्मचारी 'पर्सन ऑफ़ द मंथ' पुरस्कार से सम्मानित

रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर संरक्षापूर्वक सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले 24 कर्मचारियों को मण्डल रेलवे प्रबंधक रजनीश कुमार द्वारा 'पर्सन ऑफ द मंथ' पुरस्?कार से सम्?मानित किया गया। वरिष्?ठ जनसंपर्क अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जून 2024 में मंडल के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों द्वारा उत्?कृष्?ट एवं संरक्षापूर्वक सराहनीय कार्य करने के लिए में मंडल रेलवे प्रबंधक रजनीश द्वारा मण्डल के 10 विभागों के कुल 24 कर्मचारियों को 06 अगस्त 2024 को मंडल कार्यालय रतलाम के विमर्श कक्ष में 'पर्सन ऑफ़ द मंथ' से सम्मानित किया। इस दौरान पांच कर्मचारियों को संरक्षापूर्वक सराहनीय कार्य एवं 19 कर्मचारियों को उत्?कृष्?ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। सभी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, शील्?ड एवं उपहार प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी रेल कर्मियों को बधाई देते हुए उन्हें संरक्षा से जुड़े सभी नियमों का पूरी तरह पालन करने तथा अपने कार्य को प्राथमिकता एवं लगन से करने हेतु मार्गदर्शन भी दिया। कार्यक्रम के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक अशफाक अहमद एवं संबंधित विभागों के शाखाधिकारी भी उपस्थित रहे।

2 ट्रांसफार्मर खराब होने से मोहल्लों के लोग हुए परेशान

टीकमगढ़। बिजली वितरण कार्यालय दिगौड़ा के अंतर्गत कस्बा के धामना तिगैला व स्टेट बैंक के पास लगे हुए ट्रांसफार्मर पिछले दो दिनों से खराब हो गए थे, जिसके चलते इन दोनों मोहल्लों में दो दिनों से बिजली की सप्लाई ठप्प पड़ी हुई थी। मोहल्ले वासियों के द्वारा इन दोनों खराब ट्रांसफार्मर को बदलवाने की मांग की गई थी। कनिष्ठ अभियंता राकेश दुबे ने इन दोनों खराब ट्रांसफार्मर को निकलवा कर रात में ही दोनों ट्रांसफार्मर को छतरपुर बिजली केंद्र से मंगाया गया था। आज सुबह से ही बिजली कर्मचारियों के द्वारा इन खराब ट्रांसफार्मर को बदलकर नए ट्रांसफार्मर लगा दिए गए हैं। इस दौरान पूरे कस्बे में सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली की सप्लाई पूरी तरह से बंद थी, जिससे ग्रामवासियों को भारी परेशानी हुई।

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवक गंभीर रूप से घायल

टीकमगढ़। शहर के देहात थाना क्षेत्र में अनंतपुरा के पास मंगलवार को तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार दोनों युवकों के पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। सड़क पर जा रहे लोगों ने टैक्सी से दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा होते ही पिकअप का ड्राइवर मौके से भाग निकला। देहात थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पिकअप वाहन जप्त कर लिया है।

देहात थाना पुलिस ने बताया कि झांसी हाईवे पर अनंतपुरा के पास सुबह करीब 11.30 बजे एमपी 07 जीए 1191 नंबर पिकअप ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में पारी खिरिया निवासी सुरेंद्र पाल और नीरज पाल गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। इस दौरान पिकअप का ड्राइवर मौके से भाग निकला। मौके पर मौजूद रविंद्र यादव ने बताया कि घटना के बाद 108 एंबुलेंस पर फोन लगाया, लेकिन जब काफी देर तक वाहन नहीं पहुंचा तो टैक्सी से दोनों घायलों को जिला अस्पताल रवाना किया। उन्होंने बताया कि दोनों लड़कों के पैर में गंभीर चोट लगी है। देहात थाना प्रभारी रवि गुप्ता ने बताया कि पिकअप वाहन जप्त कर थाने लाया गया है। ड्राइवर की तलाश की जा रही है। हादसे में घायल लड़कों के बयान दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने चार स्थाई वारंटियों को किया गिरफ्तार

बम्होरी कलां। थाना पुलिस ने चार स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देश पर एसडीओपी जतारा अभिषेक गौतम के मार्गदर्शन में थाना बम्होरी कलां पुलिस के द्वारा न्यायालय जतारा के प्रकरण क्रमांक384/18धारा 4/9 गोवंश अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम में चल रहे फरार स्थाई वारंटी गुमना पिता बबलू बंजारा उम्र 40 वर्ष, अमर पिता मुन्ना बंजारा मुन्ना बंजारा उम्र 42 वर्ष, संतोष पिता उदा बंजारा उम्र 22 वर्ष, किशना पिता दयाराम बंजारा उम्र 38 वर्ष सभी निवासी ग्राम बोरदा थाना रजपुरा जिला दमोह उक्त चारों आरोपियों को जतारा बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया। जिन्हें न्यायालय जतारा में पेश किया गया। वारंटी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी उप निरीक्षक रश्मि जैन, आरक्षक संगम नायक, राजीव मिश्रा की विशेष भूमिका रही।

श्रमिकों को पात्रता पर्ची जारी किये जाने हेतु 10 अगस्त तक अभियान चलाया जायेगा

दमोह। शासन द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत असंगठित एवं प्रवासी श्रमिक की नवीन श्रेणी जोड़ी गई है। ई-श्रम पोर्टल एवं संबल योजना में दर्ज श्रमिकों को पात्रता पर्ची जारी किये जाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों मे पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों मे वार्ड स्तर पर 10 अगस्त 2024 तक अभियान चलया जा रहा हैं।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने ई-श्रम पोर्टल एवं संबल योजना में दर्ज श्रमिकों से आग्रह करते हुए कहा कि वे अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों के आधार कार्ड लेकर अपने क्षेत्र के ग्राम पंचायत/ नगरपालिका/नगर पंचायत में जाकर आवेदन प्रस्तुत कर, पात्रता पर्ची प्राप्त कर सकते हैं। पात्रता पर्ची के आधार पर उन्हें शासन की योजना के अनुरूप राशन सामग्री प्रदाय की जायेगी।

सुनार, व्यारमा नदियों की बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे हटा नायब तहसीलदार

दमोह। नायब तहसीलदार हटा शिवराम चढ़ार आज हटा क्षेत्र में सुनार और व्यारमा नदीयो में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों के भृमण पर पँहुचे। इस दौरान उन्होंने हटा ब्लाक के खैरा, खमरगौर, मोहन्ना, इटवा छक्का, हरदुआ आदि गांव का भृमण किया और नदियों का जलस्तर बढ़ने से जलभराव और बाढ़ के हालातो का जायजा लिया। गांव पंहुचकर ग्रामीणों से चर्चा की स्थिति का जायजा लिया। नायब तहसीलदार श्री चढ़ार ने बाढ़ और जलभराव से पीड़ित ग्रामीणों को शासन-प्रशासन की ओर से हरसम्भव मदद का भरोसा दिया।

वृंदावन डैम का मेंटेनेंस नहीं होने एवं लाइनिंग का काम अधूरा होने से बर्बाद हो रहा पानी

जर्जर हुआ डैम, नहर क्षतिग्रस्त, मेंटेनेंस के नाम पर हर साल लाखों का घोटाला

पन्ना। गढ़ीपड़रिया में वर्ष 2011 में लगभग 2 करोड़ की लागत से बना वृंदावन डैम मेंटेनेंस के अभाव में बारिश का पानी डैम में संग्रह होने के बजाय नाले में बह कर बर्बाद हो रहा है। जानकारी के अनुसार 7 राजस्व ग्रामों के किसानों के खेतों को पानी देने के लिए इस डैम का निर्माण किया गया था, लेकिन वर्तमान में केवल 3 राजस्व ग्रामों, गढ़ीपड़रिया और रंजोरपुरा को पानी मिल पा रहा है। रानीपुरा, ककरहटी, मखरा, देवरिगढ़ी के किसानों के खेतों को पानी नहीं मिल रहा है। मेंटेनेंस के अभाव में पूरा डैम जर्जर हो गया है, बेस्ट बियर के दोनों वॉल्व से पानी का भारी रिसाव हो रहा है। इसके अलावा 4 पॉइंट सीपेज बताए जा रहे हैं, लाइनिंग का काम अधूरा पड़ा है एवं लाइनिंग में काली मिट्टी के बजाय स्थानीय रेतीली मिट्टी उपयोग करने से नहर बार-बार टूट रही है। कुल मिलाकर पूरी नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिससे मिट्टी से

भरी बोरियां लगा कर काम चलाया जा रहा है। ग्रामीणों के द्वारा विभागीय अधिकारियों को कई बार जानकारी देने के बावजूद सुधार नहीं करवाया गया, क्षेत्रीय किसानों के द्वारा कई बार क्षेत्रीय विधायक एवं सांसद से लिखित व मौखिक शिकायत की गई इसके बावजूद मनमानी और लापरवाही जारी है। बताया गया है कि साइड इंजीनियर एवं अन्य अधिकारियों के द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर कागजी खानापूर्ति कर लाखों की राशि का बंदरबांट कर लिया जाता है।

इनका कहना है

डैम भरने के बाद बेस्ट वीयर से पानी बहने लगता है, मैंने यहां हाल ही में ज्वाइन किया है जानकारी लेकर बता पाऊंगा।

- बृजेश खरे, साइड इंजीनियर

बहुत अच्छा एयर कंडीशन आईसीयू है इसकी मॉनिटरिंग ऑटोमेटेकली होती रहती है: विधायक मलैया

जिला चिकित्सालय के विभिन्न वार्डो में पहुंचकर लिया जायजा

दमोह। पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने सिविल सर्जन राकेश राय, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रहलाद पटैल के साथ आज जिला चिकित्सालय का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न वार्डो में पहुंचकर मरीजों के हालचाल जाने और इलाज से संबंधित जानकारी ली। विधायक मलैया ने स्वयं के ब्लड जाँच भी कराई।

विधायक श्री मलैया ने कहा अलग-अलग वार्डों में जाकर मरीजो से बात की है, उनकी तकलीफों के बारे में जानकारी हासिल की, भोजन और दवाईयां मिल रही है या नहीं, अलग-अलग वार्ड में जाकर देखा है, कौन-कौन सी सुविधाएं हमारे यहां पर है, इसके साथ-साथ अस्पताल में कौन-कौन सी समस्याएं हैं, उसके बारे में भी देखा है, की कहां-कहां किन-किन चीजों का उन्नयन करना है। कहां पर दिक्कत है, उसको भी समझने की कोशिश की है, इन सभी को लेकर अस्पताल अपनी बेहतर सेवाएं दे रहा है और अधिक बेहतर कैसे हो सकती है इसके लिए भ्रमण किया है। उन्होंने कहा मेरी कोशिश रहेगी की कुछ-कुछ समय के बाद अस्पताल में आकर देखते रहे, लोगों से मिलते रहे।

उन्होंने कहा जो प्रीमेच्योर बच्चे हैं, उनके लिए वार्ड है, बच्चों का वार्ड बहुत अच्छा है, महिलाओं के वार्ड देखा है, आईसीयू देखा है, बहुत अच्छा एयर कंडीशन आईसीयू है, जिसमें 10-10 बेड्स लगे हुए हैं, इसकी मॉनिटरिंग ऑटोमेटेकली होती रहती है। यह सारी सुविधाएं इसके बारे में लोगों को अभी उतनी जानकारी नहीं है। जब यह विशाल भवन बना है, इसमें अभी और भी सारी सुविधाएं आती जा रही है।

विधायक श्री मलैया ने कहा मेरा प्रयास रहेगा की बाजू से जो वन विभाग की जमीन है यह भी अस्पताल को मिल जाए और वहां पर जो अतिरिक्त अस्पताल बनना है, क्योंकि अभी जितने बेड्स हैं यह अपर्याप्त हैं, हमें इससे लगभग डेढ़ से दोगुने बेड्स चाहिए है। इस तरीके से और ज्यादा सुविधा हो जाएगी इसी के लिए मैं आज यहां पर आया था।

इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. मुकेश जैन, सिविल सर्जन डॉ. राकेश राय, डॉ. प्रहलाद पटैल, डॉ. संगतानी, रमन खत्री, मनीष तिवारी, संतोष रोहित, मोन्टी रैकवार, विवेक अग्रवाल, विशाल शिवहरे, नीलेश सिंघई, लालू अमरदीप जैन, राजू नामदेव, संजय गौतम, रीतेश सोनी, बंटी जैन, विकास जैन, सिंकदर करारे सहित अन्य चिकित्सालय स्टाप मौजूद था।

दमोह जिले के 191 विद्यालयों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

तीन दिवस की समय-सीमा में जबाव प्रस्तुत किया जाये

दमोह। अशासकीय विद्यालयों द्वारा फीस संरचना पोर्टल पर विद्यालय की प्रवृष्टि नहीं करने पर विद्यालयों की लापरवाही एवं उदासीनता मानते हुये कलेक्टर एवं जिला समिति अध्यक्ष सुधीर कुमार कोचर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला समिति सदस्य सचिव एसके नेमा ने जिले के 191 विद्यालयों के प्राचार्य, प्रधानाध्यापक, संचालकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है।

इस संबंध में संबंधित विद्यालयों को अपना जबाब पत्र प्राप्ति के तीन दिवस की समय-सीमा में अनिवार्य रूप से जिला शिक्षा अधिकारी एवं सदस्य सचिव जिला समिति के कार्यालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जाये, विलम्ब के लिये पूर्ण जवाबदेही संबंधित संस्था की होगी।

अशासकीय विद्यालयों द्वारा शिक्षा सत्र 2023-24 एवं 2024-25 की प्रस्तावित फीस संरचना की पोर्टल पर अभी तक प्राचार्य, प्रधानाध्यापक, संचालकों द्वारा विद्यालय की प्रवृष्टि नहीं की है, जबकि शासन द्वारा उक्त कार्य के लिये अंतिम तिथि 24 जून 2024 निर्धारित की गई थी, इससे शासन के निर्देशों के प्रति संबंधित विद्यालयों की लापरवाही एवं उदासीनता प्रदर्शित होती है, जो की मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 एवं नियम 2020 की धारा 3 (4) का उल्लंघन मानते हुये क्यों ना संस्था के विरूद्ध मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 एवं नियम 2020 की धारा 9 की उपधारा (9) के तहत दो लाख रूपये की शास्ति अधिरोपित करने की कार्यवाही जिला समिति द्वारा की जाये।

जिले की बटियागढ़ तहसील के 23, दमोह 53, हटा 37, जबेरा 13, पटेरा 24, पथरिया 29 तथा तेन्दूखेड़ा के 12 विद्यालयों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये है।

लायब्रेरी, कोचिंग सेन्टर या अन्य कोई भवन के मौका निरीक्षण हेतु जॉच दल गठित

दमोह। दमोह जिले में स्थापित लायब्रेरी, कोचिंग सेन्टर या अन्य कोई भवन जिनमें बेसमेंट (तलघर) का निर्माण किया गया है, के मौका निरीक्षण हेतु कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जॉच दल का गठन किया है। जाँच दल में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) संबंधित अनुविभाग को अध्यक्ष तथा अनुविभागीय अधिकारी लो.नि.वि. संबंधित अनुविभाग, उच्च शिक्षा विभाग से प्रतिनिधि, एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी संबंधित नगर परिषद को सदस्य नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर श्री कोचर ने बताया उक्त समिति द्वारा क्या संबंधित संस्था/एजेंसी द्वारा बेसमेंट (तलघर) का निर्माण विधिवत अनुज्ञा लेकर किया गया है अथवा नहीं, बेसमेंट (तलघर) का उपयोग पार्किंग के लिए किया जा रहा है या अन्य किसी उद्देश्य से, अग्नि दुर्घटना से बचाव के पर्याप्त उपाय सुनिश्चित किये गये हैं अथवा नहीं, भवन विद्यार्थियों के अध्ययन की दृष्टि से उपयुक्त है अथवा नहीं एवं अन्य कोई बिन्दु जो जाँच के दौरान संज्ञान में आए आदि तथ्यों का विशेष रूप से निरीक्षण करेगी। उन्होंने निर्देशित किया है कि जाँच की कार्यवाही 31 अगस्त 2024 तक अनिवार्यरूप से पूर्ण कर प्रतिवेदन कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट को प्रेषित किया जाए।

14 साल पहले घोषित जर्जर भवन अब तक नहीं तोड़े पुल से निकल रहे वाहन, स्कूल में बैठ पढ़ रहे बच्चे

टीकमगढ़। शहर में व्यस्ततम मार्गों पर आज भी जीर्णशीर्ण भवन खड़े हैं, जबकि इनमें से कई भवनों को 14 साल पहले डेड घोषित किया जा चुका है, लेकिन नगर प्रशासन व पीडब्ल्यूडी इन्हें गिराने की कवायद शुरू नहीं कर पाया। जिससे आज भी डेड घोषित भवन का लोग उपयोग कर रहे हैं और जर्जर पुल से अब भी आवागमन जारी है, ऐसे में कहीं लोग सागर जिले के शाहपुर जैसे हादसे का शिकार न हो जाएं।

शाहपुर में हुए हादसे में 9 बच्चों की मौत हो गई, लेकिन टीकमगढ़ में अब तक नगरीय प्रशासन जर्जर हो चुके शासकीय और प्राइवेट भवनों को चिंह्नित नहीं कर पाया। इसकी जानकारी नगर पालिका सीएमओ ने सब इंजीनियर से मांगी, तो वे रिकार्ड उपलब्ध नहीं करा पाए। जिससे साफ है कि नगर पालिका में डेड घोषित भवनों की सूची तक नहीं है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी लोगों की सुरक्षा को लेकर कितने सजग हैं। जबकि पूर्व में नगर पालिका और पीडब्ल्यूडी ने करीब 8 भवनों को डेड घोषित किया था। जिनमें पुरानी टेहरी का बड़ा पुल, जानकीबाग का स्कूल, पुराना पोस्ट ऑफिस, नजाई दरवाजा, पुराना बस स्टैंड स्थित राजा मधुकरशाह की क्षतिग्रस्त दुकानें सहित अन्य भवन शामिल थे। जिनमें से पूर्व में कई जमींदोज कर दिए लेकिन आज भी भारी भरकम आवाजाही वाले स्थानों के डेड भवन व जर्जर पुल खड़े हैं। जिन्हें गिराने की तो दूर जांच कराने की प्रक्रिया तक नहीं की।

इन भवनों को भी देखने नहीं जा रहा प्रशासन- शहर में डेड घोषित भवनों में पुराना पोस्ट ऑफिस, स्टेडियम के पास जर्जर भवन, नजाई दरवाजा के अलावा जवाहर चौक पर प्राइवेट बिल्डिंग भी जो डेड घोषित की श्रेणी में है लेकिन इनकी जांच करने तक प्रशासन नहीं जा रहा। बड़ा पुल की क्षतिग्रस्त दीवार। पुल निर्माण के टेंडर में लाइन शिफ्टिंग का जिक्र नहीं, इसलिए रुका पड़ा काम पुरानी टेहरी के बड़े पुल से सोमवार को 30 मिनट में 50 से ज्यादा वाहन ऊपर से और 40 वाहन नीचे से निकले। वहीं भारी वाहनों की धमक से पुल की ऊपरी सतह से सीमेंट झड़ता रहा। इसके अलावा पुल के बाजू की दीवार में दरार पड़ी है। इतना सब होने के बाद भी लगातार इस पुल पर से आवागमन हो रहा है। जबकि पिछले साल पुल निर्माण की टेंडर प्रक्रिया कर 2 करोड़ 86 लाख रुपए की स्वीकृति दी थी लेकिन यहां से निकली पाइप लाइन शिफ्ट कराने का कोई जिक्र नहीं होने से निर्माण लंबित हो गया। अब 50 लाख रुपए अतिरिक्त का प्रस्ताव ब्रिज कॉर्पोरेशन बना रहा है।

इनका कहना है-

हमने शहर के जीर्णशीर्ण भवनों को लेकर सब इंजीनियर से जानकारी मांगी है। जिसे वह उपलब्ध नहीं करा पाए। इसके लिए पत्र जारी किया है। बाकी शहर में एक-दो स्थानों का पता चला है। जानकारी एकत्रित होते ही आगे की जांच की जाएगी।

-शिवी उपाध्याय, सीएमओ

इनका कहना है-

पूर्व में जो भवन जीर्णशीर्ण होने पर डेड घोषित किए गए थे। उनकी सूची निकलवाकर दिखवाएंगे कि क्या स्थिति है। उनकी जानकारी लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। वहीं पाइप लाइन शिफ्टिंग के चलते बड़े पुल के निर्माण की प्रक्रिया में देर हो रही है।

-इंद्र कुमार शुक्ला
ईई, पीडब्ल्यूडी, टीकमगढ़

माता पिता की सेवा, सन्तों की सेवा से बड़ी है:विपिन बिहारी महाराज

हट। बुदेली भाषा में श्री मद्भागवत गीता कथा करने वाले सुप्रसिद्ध कथाकार गौपीठाश्वर पडित विपिन बिहारी महाराज द्वारा ग्राम पंचायत सकौर में चल रही में सार्वजनिक कथा के छठवें दिन कृष्ण लीलाओं का विस्तृत विवरण करते हुए बताया कि भगवान श्री कृष्ण वृंदावन के स्वामी हैं। जब भी वृंदावन जाए तो अपने जाति, पैसे, बुद्धि एवं पद के अभिमान को घर पर छोड़ कर आए, और जब वृंदावन धाम से लौटे तो पहले, जमुना जल का आर्चमन,ब्रज की रज में लोटना, ब्रजवासी के घर से मांगना और बांके बिहारी से नैना मिलना मत छोड़ना। वृंदावन की महिमा और बरसाने की महिमा श्री राधा पर आश्रित है। यादि अपने घर को वृंदावन बनाना चाहते हैं तो घर में तुलसी का पौधा अवश्य लगाएं। वृंदा का अर्थ ही तुलसी है। उन्होंने ने बताया कि दुनिया में दो प्रकार बाबा है पहले जो अपने माता-पिता, और अपने ईष्टो को भक्तों से दूर कर देते हैं , दूसरे वह है जो माता-पिता की सेवा, भगवान के पूजा से जोड़ते हैं, हमें अपने जीवन में बाबाओं की पहचान करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि घर पर बैठे माता पिता की सेवा सन्त सेवा से बड़ी है। वृद्ध माता-पिता की सेवा से देवता प्रसन्न होते हैं, माता-पिता से बैर करने वाला अपना जीवन कभी सफल नहीं कर सकता है। सत्संग सब को नहीं मिला यह, भगवान की कृपा चाहिए होती है। कृष्ण की कृपा चाहिए होती है। यादि मनुष्य जीवन में यह पांच चीजें शारीर में धारण करते हैं तो निश्चित ही मनुष्य इस भव सागर से पार हो जाएगा ,यह पांच चीजें निम्न हैं माथे पर तिलक, सिर पर चोटी, गले की तुलसी, हाथ में रक्षा सूत्र एवं मुंह में भगवान का नाम। कथा स्थल में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

ठेके से शराब लेकर लौट रहे बाइक सवार को बस ने मारी टक्कर, मौत

इंदौर। शहर के राजेंद्र नगर क्षेत्र में रहने वाले कैलाश पिता धरम सिंह जादौन निवासी सुबह घर से काम पर जाने के लिए निकला था। दिग्विजय नगर में शराब की दुकान पर वह रुका और शराब की बोतल खरीदी। शराब की दुकान के सामने डिवाइडर तोड़कर अवैध रुप से कट बनाया गया था। जिससे निकलकर कैलाश सड़क पार कर रहा था। दूसरी तरफ से आ रही बस के चालक का ध्यान बाइक पर नहीं गया और बस ने बाइक को टक्कर मार दी। अगले पहियों में बाइक फंस गई और बस के पहियों ने कैलाश को भी कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर बस जब्त कर ली। कैलाश के परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां है। घटना का पता चलने पर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कृष्णबाग कॉलोनी पर सुप्रीम कोर्ट का स्टे, रहवासियों को मिली राहत की सांस

इंदौर। न्याय नगर की कृष्णबाग कॉलोनी में रहवासियों के निर्माण तोड़ने पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे दे दिया है। प्रशासन ने पिछले दिनों हाईकोर्ट के स्टे के बावजूद कई लोगों के घर तोड़ दिए थे। इसके बाद हाईकोर्ट ने भी इस मामले में एसडीएम, तहसीलदार को नोटिस भी जारी किए हैं। प्रशासन द्वारा कई मकानों पर रिमूवल की कार्रवाई की गई थी, लेकिन पूरे मामले में पीड़ित पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें सभी रहवासियों को राहत मिल गई है। अब न्याय नगर की कृष्णबाग कॉलोनी में प्रशासन के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए स्टे के बाद सभी रहवासियों ने राहत की सांस ली है। जिला प्रशासन ने 26 जुलाई को यहां पर 15 मकानों पर अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई की थी। इनमें से कई मकान ऐसे थे, जिन पर स्टे था। इसके बावजूद उन्हें तोड़ दिया गया था।

शासकीय योजनाओं में लाभ के लिए ई-केवाईसी जरूरी

इंदौर। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में 31 अगस्त 2024 तक राजस्व महाअभियान-2.0 संचालित किया जा रहा है। इस महा अभियान में समस्त किसानों एवं भूमि स्वामियों के लिए समग्र आईडी एवं आधार नंबर से लिंक किये जाने का कार्य किया जा रहा है। जिले के समस्त किसानों एवं भूमि स्वामियों से कहा गया है कि दस्तावेजों में आधार कार्ड, खसरा एवं समग्र आईडी के साथ नजदीकी सीएससी सेन्टर या एमपी ऑनलाइन केन्द्र पर जाकर अपना भू-अभिलेख आधार एवं समग्र से लिंक करायें। जिससे वे शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सकेंगे।

युगपुरुष धाम बाल आश्रम की एक और बच्ची ने इलाज के दौरान दम तोड़ा, अब तक कुल 11 बच्चों की मौत

इंदौर। शहर में हैजा के प्रकोप के बाद 10 बच्चों की मौत से चर्चा में आए एक बाल आश्रम की तीन वर्षीय बच्ची ने एक सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। अस्पताल की एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शासकीय चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय की अधीक्षक डॉ. प्रीति मालपानी ने बताया, ''शहर के श्री युगपुरुष धाम बाल आश्रम की तीन वर्षीय बच्ची को उसके परिजनों ने शनिवार (तीन अगस्त) को बेहद गंभीर हालत में हमारे अस्पताल में भर्ती कराया था। तब वह उल्टी-दस्त और शरीर में पानी की कमी की समस्या से पीड़ित थी। मालपानी के अनुसार, चिकित्सकों की तमाम कोशिशों के बावजूद बच्ची की जान नहीं बचाई जा सकी और उसने सोमवार रात दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि बच्ची कुपोषण और विकलांगता से पहले ही जूझ रही थी। मालपानी के मुताबिक, आश्रम प्रबंधन का कहना है कि उसने बच्ची को हाल ही में उसके परिजनों को सौंप दिया था। उन्होंने बताया कि बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

निगम फर्जी बिल मामला : इंदौर में कांग्रेस का उग्र मैदानी प्रदर्शन, पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प

पुलिस ने वाटर कैनन से प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा, कई कार्यकर्ताओं को आयी चोट एक पत्रकार भी घायल

इंदौर। इंदौर में फर्जी बिल घोटाले को लेकर कांग्रेस ने बड़ा प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान इंदौर पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प हुई है। इस दौरान पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया है। कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं को चोट भी आई है। एक पत्रकार भी घायल हो गए हैं। जीतू पटवारी ने फर्जी बिल घोटाले के लिए जांच की मांग की है।

निगम मुख्यालय में घुसने के दौरान झड़प: मंगलवार को इंदौर में कांग्रेस ने नगर निगम में हुए कथित फर्जी बिल घोटाले के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निगम मुख्यालय में घुसने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच लगभग 10 मिनट तक झड़प हुई।

कांग्रेस के बड़े नेता भी हुए शामिल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव और प्रदेश सहप्रभारी कुलदीप इंदौरा ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया। पटवारी ने धरना स्थल से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नगर निगम में हो रहे घोटालों का मुद्दा उठाया और मामले की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि चलो कमिश्नर ऑफिस.. जिसके बाद कार्यकर्ता उग्र हो गए और सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेड लगा दिए।

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने एडीएम रोशन रॉय को ज्ञापन सौंपा और घोटाले की जांच की मांग की। इस प्रदर्शन में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के गांधी भवन की खातिरदारी करने पर निलंबित किए गए दोनों कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा और सदाशिव यादव भी शामिल हुए। दोनों को हाल ही में बहाल किया गया है। गौरतलब है कि इंदौर जीतू पटवारी का गृह जिला है। अर्से बाद कांग्रेस ने इंदौर में बड़ा प्रदर्शन किया है। फर्जी बिल मामले की जांच में ईडी की भी एंट्री हो गई है। यह कथित रूप से 100 करोड़ रुपए से अधिक का घोटाला है। ऐसे में कांग्रेस के लिए यह बड़ा मुद्दा है। इसे भुनाने के लिए प्रदर्शन कर रही है।

इंदौर को अगले एक माह में पूर्ण भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाया जायेगा

- नगर निगम के सहयोग से संबंधित अधिकारियों द्वारा भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए मिशन मोड में होगा कार्य

• कलेक्टर सिंह ने ली नगर निगम के झोनल अधिकारियों की बैठक

इंदौर। इंदौर में भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए कलेक्टर आशीष ?सिंह की पहल पर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे है। इस अभियान को और अधिक गति प्रदान कर अगले एक माह में इंदौर को पूर्ण भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाया जायेगा। इसके लिए नगर निगम के अधिकारियों के साथ ही अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा मिशन मोड में कार्य किया जायेगा। साथ ही भिक्षा वृत्ति/बाल भिक्षा वृत्ति की रोकथाम के संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का भी कड़ाई से पालन कराया जायेगा। यह जानकारी कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा ली गई बैठक में दी गई। बैठक में कलेक्टर सिंह ने कहा कि इंदौर को भिक्षावृत्ति से मुक्त शहर बनाने के लिए चलाये जा रहे अभियान के सकारात्मक परिणाम दिखने लगे है। इस अभियान को और अधिक गति देकर प्रभावी बनाने की जरूरत है।

शहर को अगले एक माह में पूर्ण भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाया जायेगा। इसके लिए जरूरी है कि सभी अधिकारी मिशन मोड में काम करें। उन्होंने कहा कि भिक्षा वृत्ति/बाल भिक्षा वृत्ति की रोकथाम के संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का भी कड़ाई से पालन कराया जाये। साथ ही ऐसे भिक्षुकों जो बार-बार समझाइश देने के बावजूद भी नहीं मान रहें उनकी सूची तैयार की जाये। ऐसे भिक्षुकों को सेवा धाम उज्जैन अथवा उनके पैतृक स्थान भेजने की व्यवस्था की जाये। इसके लिए उन्होंने नगर निगम को एक नोडल अधिकारी बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने भिक्षावृत्ति को रोकने के लिए बनाये गये दलों के सदस्यों से कहा कि वे पूर्ण सक्रियता से कार्य करें। चौराहों और मंदिरों के बाहर सतत निगरानी रखें। वे नियमित रूप से लगातार भ्रमण करते रहें। बताया गया कि भिक्षावृत्ति/बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम के संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये हैं। जारी आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। उल्लंघन दंडनीय अपराध के श्रेणी में आयेगा। जारी आदेश के अनुसार भिक्षुओं को भीख स्वरूप कुछ भी देना या नाबालिग बच्चों से किसी सामान को खरीदना इस आदेश से निषेध किया गया है। इसका उल्लंघन दंडनीय होगा। जो व्यक्ति भिक्षुओं या किसी नाबालिग बच्चे को भीख स्वरूप कोई चीज प्रदान करता है या देता है या नाबालिग बच्चे से कोई सामान खरीदता हैं तो उसके विरूद्ध भी इस आदेश के उल्लंघन पर कानूनी कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश 14 सितम्बर 2024 तक प्रभावशील रहेगा।

इंदौर और जबलपुर शहरी क्षेत्र में सिटी फारेस्ट बनाने की तैयारी तेज

इंदौर। लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग द्वारा इंदौर और जबलपुर शहरी क्षेत्र में नगर वन (सिटी फारेस्ट) विकसित करने की तैयारी की जा रही है इसके लिये विभाग द्वारा योजनाबद्ध तरीके से तेजी से कार्य किया जा रहा है। विभाग द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 की कार्य योजना में नगर वन विकसित करने संबंधी प्रस्ताव रखा गया है। लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग द्वारा नेशनल टेक्सटाईल कॉर्पोरेशन से इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं बुरहानपुर जिले की बंद मिलों की भूमि को पुनः राज्य शासन के पक्ष में बंदोबस्त (वैष्ठित) कर लिया गया है। इसके विरुद्ध नेशनल टेक्सटाइल कॉर्पोरेशन ने इंदौर, उज्जैन एवं भोपाल की भूमि के संबंध में उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई है। संबंधित जिलों के कलेक्टर्स से समन्वय स्थापित कर विभाग द्वारा इन भूमि प्रकरणों के जल्द से जल्द निराकरण की कार्यवाही की जा रही है। इंदौर जिले में स्थित यूनाइटेड मालवा मिल का एक प्रमुख भाग प्रबंधन की मंशा से नगर वन (सिटी फारेस्ट) के रूप में विकसित करने के लिये बेहद उपयुक्त पाया गया है। इस विकास प्रस्ताव पर विभागीय योजना बनाकर कार्यवाही की जा रही है एवं कल्याण मिल का उचित रूप से प्रबंधन किया जा रहा है। उज्जैन की विनोद मिल के शेष पार्सलों पर व्यवसायिक गतिविधियों के प्रोत्साहन केलिये विभागीय योजना तैयार की जा रही है एवं उज्जैन की हीरा मिल का समुचित प्रबंधन भी विभागीय तौर पर किया जा रहा है। लोक परिसम्पत्ति विभाग द्वारा जबलपुर शहरी क्षेत्र में बीएसएनएल द्वारा अधिग्रहित भूमि को पुनः राज्य शासन के पक्ष में बंदोबस्त (वैष्ठित) कर लिया गया है। अब यहाँ %सिटी फारेस्ट% के लिये जरूरी विकास के मद्देनजर समुचित प्रबंधन एवं व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। %लोक परिसंपत्ति प्रबंधन जिला प्रोत्साहन योजना% के अंतर्गत विभाग द्वारा जिलों में मौजूद आधारभूत संरचनाओं को और अधिक सुदृढ़ कर इन्हें नई आवश्यकतानुसार विकसित करने के लिये गत वित्तीय वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में 20 जिलों को उनसे प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार कुल 126 करोड़ 79 लाख रूपये वितरित किये गये। जारी वित्त वर्ष 2024-25 में इस योजना में 16 जिलों से पात्रतानुसार 65 करोड़ 49 लाख रूपये के विकास प्रस्ताव प्राप्त करने के लिये भी विभाग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

इंदौर में रेस्टोरेंट कर्मचारियों ने परिवार को पीटा

इंदौर (एजेंसी)। कनाड़िया के एडम ऐले रेस्टोरेंट के कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस ने मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है। बताया जाता है कि रविवार को यहां एक परिवार खाना खाने पहुंचा था। जिसमें उनके साथ मारपीट की गई। इस मामले में परिवार के लोग थाने पहुंचे और केस दर्ज करा दिया। कनाड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बुजुर्ग सुनीता चित्रकार की शिकायत पर पुलिस ने एडम्स ऐले के पुरूष कर्मचारियों पर केस दर्ज किया है। सुनीता ने बताया कि रविवार रात पति संजय चित्रकार, बेटे संकेत, बहू स्वाति व परिवार के अन्य मेंबर्स के साथ खाना खाने पहुंची थी। हमें रेस्टोरेंट वालों ने टेबल पर बैठा दिया। हमने खाने के लिए ऑर्डर भी कर दिया। लेकिन बहुत देर तक खाना सर्व करने के लिए कोई नहीं आया। बेटे संकेत ने रेस्टोरेंट के मैनेजर पुष्पेन्द्र से कहा कि आप लोगों ने टेबल पर बैठा दिया। खाना सर्व नहीं कर रहे।

आईआईटी इंदौर ने आर्मी के लिए बनाये ख़ास नए जूते, कदमों से बिजली पैदा होगी, रियल टाइम लोकेशन भी पता चलेगी

इस तकनीक से बने जूते बुजुर्गों और मरीजों के लिए भी काफी काम आएंगे

इंदौर। इंदौर आईआईटी ने डीआरडीओ को नए ख़ास तरह के जूते बनाकर दिए हैं। भारतीय सेना के लिए यह नए जूते बेहद काम आ सकते है। इनमें आईआईटी के युवाओं ने कई तकनीकों का इस्तेमाल किया है। आईआईटी ने भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के डीआरडीओ को इन जूते की 10 जोड़ी सौंपी है। यह जूते ट्राइबो-इलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर (टीईएनजी) आधारित हैं। इन जूतों की मदद से एडवांस ट्रैकिंग के साथ बिजली की जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर आई. ए. पलानी ने बताया कि यह जूते, मानव गति से बिजली बनाते हैं र इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चार्ज करने में मदद करते हैं।

सेना को ऐसे मिलेगी मदद

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा कि इस तकनीक से सेना को बड़ी मदद मिलेगी। इससे रियल टाइम लोकेशन पता चल सकेगी, ट्रैकिंग की क्षमताएं बढ़ेंगी और सैन्य कर्मियों की सुरक्षा और दक्षता बेहतर होगी। टीईएनजी-संचालित जूते आवश्यक जीपीएस और आरएफआईडी सिस्टम से बने हैं, जो विभिन्न सैन्य जरूरतों के लिए एक आत्मनिर्भर और विश्वसनीय समाधान प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे कुशल और पोर्टेबल बिजली स्रोतों की मांग बढ़ती जा रही है, आईआईटी इंदौर के नवाचार पर इसी पर आधारित होते जा रहे हैं।

क्या है तकनीक

वहीं, प्रोफेसर पलानी ने कहा कि इन जूतों में टीईएनजी प्रणाली प्रत्येक कदम के साथ बिजली उत्पादन करती है। इसमें उन्नत ट्राइबो-जोड़े, फ्लोरिनेटेड एथिलीन प्रोपलीन (एफईपी) और एल्यूमीनियम का उपयोग किया गया है। यह बिजली जूते के सोल के भीतर एक केंद्रीय उपकरण में संग्रहित होती है। छोटे इलेक्ट्रॉनिक सर्किट के लिए यह एक विश्वसनीय ऊर्जा स्रोत बनती है। इसके अतिरिक्त, जूतों में परिष्कृत ट्रैकिंग तकनीक की सुविधा है, जिसमें 50 मीटर की रेंज के साथ आरएफआईडी और सटीक लाइव लोकेशन ट्रैकिंग के लिए सैटेलाइट-आधारित जीपीएस मॉड्यूल शामिल है।

बुजुर्गों और मरीजों के भी काम के

बुजुर्ग सदस्यों वाले परिवारों के लिए, विशेष रूप से अल्जाइमर रोग वाले लोगों के लिए ये जूते रियल टाइम लोकेशन बताएंगे और मानसिक शांति प्रदान करेंगे। कामकाजी माता-पिता स्कूल के दिन अपने बच्चों के लोकेशन की निगरानी कर सकते हैं और स्कूल सटीक उपस्थिति रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए आरएफआईडी तकनीक का उपयोग कर सकते हैं। औद्योगिक सेटिंग में, जूते उपस्थिति ट्रैकिंग और कर्मचारी निगरानी के लिए उपयोगी होते हैं।

निगम ने खुले में कचरा फेंकने वालों को पकड़कर लगाया तगड़ा जुर्माना

• निगम आयुक्त ने वार्डों के औचक निरीक्षण हेतु गठित किया फ्लाइंग स्काड दल

इंदौर। आयुक्त के निर्देशानुसार सायंकालीन फ्लाइंग स्काड के दल प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी एवं दल के सदस्य द्वारा झोन क्रमांक 07 का निरीक्षण किया जा रहा था। इस दौरान बैंचमार्क बिजनेस पार्क एवं इसके पास स्थित जूडियो शोरूम द्वारा कचरा बाहर रोड पर फैला होना पाए जाने पर स्पॉट फाइन की कार्रवाई की गई। कार्यवाही रुकवाने हेतु संस्थानों के संचालकों द्वारा दल पर दबाव बनाने का प्रयास किए गए किंतु निगम के दल द्वारा दोनों स्थानों पर 10-10 हजार का स्पॉट फाइन किया गया।

इंदौर में निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा प्रतिदिन शहर की सफाई व्यवस्था के क्रम में विभिन्न स्थानों के साथ ही सीटीपीटी सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्र डी.आर लोधी, श्री नरेश जायसवाल एवं अन्य उपस्थित थे। निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा महू नाका, चंदन नगर चौराहा, बियाबानी रोड, गंगवाल बस स्टैंड, पूरा मोहल्ला चौराहा, बड़ा गणपति चौराहा होते हुए रामचंद्र नगर चौराहा, कॉलोनी नगर चौराहा होते हुए एयरपोर्ट रोड तक सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान सड़क के दोनों किनारे फुटपाथ एवं लीटर बिन की सफाई के साथ ही क्षेत्र में स्थित सार्वजनिक शौचालय एवं मूत्राशय की सफाई व्यवस्था के साथ ही पर्याप्त संसाधन सुनिश्चित करने की निर्देश दिए गए।

खजराना गणेश मंदिर इंदौर का मास्टर प्लान तैयार

• धूप और बारिश से बचाव के लिए बनेगा रैंप और शेड, योग सेंटर भी खुलेगा

इंदौर (एजेंसी)। खजराना गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा और उन्हें धूप और बारिश से बचाव के लिए रैंप और शेड बनाया जाएगा। बच्चों के लिए ग्राउंड, योग सेंटर के साथ ही परिसर के सभी मंदिरों का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। इसके लिए मास्टर प्लान तैयार है और जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है। मंदिर में चांदी की मूर्ति पर अभिषेक-पूजन के लिए सौ रुपए शुल्क लेने का विचार चल रहा है।

सोमवार को गणेश मंदिर प्रबंध समिति की बैठक कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें मास्टर प्लान पर चर्चा की गई। 7 सितंबर से शुरू होने वाले 10 दिनी गणेश चतुर्थी महोत्सव की तैयारियों के संबंध में भी चर्चा की गई। महोत्सव ध्वजा पूजन के साथ प्रारंभ होगा। भगवान श्रीगणेश का स्वर्ण आभूषणों के साथ विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर को फूलों एवं विद्युत रोशनी के साथ विशेष रूप से सजाया जाएगा। सवा लाख मोदक का भोग लगाया जाएगा। बैठक में मंदिर के पुजारी पं. मोहन भट्ट, पं. अशोक भट्ट, अरविंद बागड़ी, बालकिशन छावछरिया (बल्लू अग्रवाल) मौजूद थे। बैठक में मंदिर प्रशासक नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित अशोक भट्ट अन्य पुजारी, मंदिर प्रबन्धक घनश्याम शुक्ला, सहायक प्रबन्धक गौरी शंकर मिश्रा एवं भक्त मंडल के पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव और नवदुर्गा उत्सव के आयोजन को लेकर कई निर्णय लिए गए। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मंदिर में 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. अशोक भट्ट ने बताया कि इस दौरान अन्न क्षेत्र के आजीवन सदस्यों का सम्मान भी किया जाएगा। पंडित भट्ट ने बताया कि मंदिर में अभिषेक पूजन के लिए विशेष प्रवेश व्यवस्था को बदलने की स्वीकृति भी बैठक में दी गई है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 07 अगस्त , 2024

संपादकीय

मौसम से सावधान

कश्मीर से कन्याकुमारी तक मौसम की मार साफ तौर पर प्रकट होने लगी है। मौसम जनित त्रासदियों का भी दुखद दौर तेज चल रहा है और देश पूरी मजबूती से प्रतिकूल स्थितियों का सामना कर रहा है। जगह-जगह जलभराव है और गंदगी का भी साम्राज्य है, तो सबसे बड़ी चिंता बढ़ती बीमारियों की है। जहां बारिश ज्यादा हुई है, वहां भी और जहां बारिश कम हुई है, वहां भी नाना प्रकार की बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है।

राज्य सरकारें भी चिंतित हैं और केंद्र सरकार भी। सरकार ने भी यह मान लिया है कि इस वर्ष भारत में डेंगू के मामलों में वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि देश भर में अब तक 32,091 डेंगू मामले सामने आए हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बहुत अधिक हैं। वैसे तो डेंगू के मामले आम तौर पर अक्तूबर में चरम पर होते हैं, लेकिन इस साल के रुझान से पता चलता है कि 31 जुलाई, 2024 तक मामलों की संख्या पिछले साल के इसी समय की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। चिंता यह हो रही है कि क्या आने वाले दिनों में डेंगू के मामले बहुत बढ़ जाएंगे?केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया है कि इस साल जून में ही डेंगू का प्रकोप बढ़ गया था। डेंगू के कारण देश भर में 32 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जिनमें सबसे ज्यादा 22 मौतें केरल में हुई हैं। कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी मौतें हुई हैं। देश में डेंगू के प्रकोप की स्थिति की नियमित समीक्षा और निगरानी शुरू हो गई है। यह जरूरी है कि स्थिति का आकलन, तैयारी, तकनीकी मार्गदर्शन पर ध्यान दिया जाए और राज्यों को सचेत किया जाए। अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढ़ी है। दूसरी तरह के वायरल बुखार का भी प्रकोप बढ़ा है। अस्पतालों को अपने स्तर पर चाक-चौबंद रहने के साथ ही आम लोगों को भी सचेत रहना होगा। आसपास सफाई रखना और अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है।

झयह बड़ा सवाल है कि बीमारियां क्यों बढ़ रही हैं? वैसे, जलवायु परिवर्तन ने भी दुनिया में बीमारियों को बढ़ावा दिया है। अगर हम केवल डेंगू की ही बात करें, तो दुनिया के अनेक देशों में यह फैल रहा है और उन देशों में कीटों-मच्छरों से लड़ाई भी तेज हो रही है। रोचक है कि एक स्पेनिश प्रयोगशाला डेंगू बुखार और अन्य बीमारियों से लड़ने के लिए हजारों टाइगर मच्छरों का प्रजनन और बंध्याकरण कर रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से कई प्रकार के आक्रामक कीटों को यूरोप में बढ़ावा मिला है। शायद भारत को भी ऐसी बीमारियों के खिलाफ बड़ी योजना बनाकर काम करना चाहिए। बहरहाल, भारत में एक चिंता जीका वायरस को लेकर भी है। संसद में भी यह बताया गया है कि सरकार ने जीका वायरस रोग के प्रबंधन के लिए एक कार्य योजना तैयार की है और देश में 22 जुलाई तक जीका वायरस से ग्रस्त मरीजों की संख्या 537 तक पहुंच गई थी। यह वायरस क्यों बड़ी चिंता की वजह बन रहा है? क्या इसके खिलाफ लड़ाई में हम कमजोर पड़ रहे हैं? जीका वायरस का प्रकोप महाराष्ट्र में ज्यादा है और इसे बाकी राज्यों में फैलने से रोकने के प्रबंध करने चाहिए। सरकार को जो कदम उठाना है, वह जरूर उठाए और साथ ही, लोगों को भी युद्ध स्तर पर जागरूक करना होगा। ऐसे विपरीत मौसम में, खानपान में सतर्कता और स्वच्छता का ध्यान रखना सबसे जरूरी है।

ईरान-इस्राइल आमने-सामने

ईरान, हमास और हिजबुल्ला की इस्राइल से बदला लेने की घोषणाओं के बीच मध्य पूर्व टकराव के एक नए दौर के मुहाने पर खड़ा दिख रहा है। पहले हिजबुल्ला के मिलिटरी चीफ फुआद शुकर का लेबनान के बेरूत में इस्राइली कार्रवाई में मारा जाना और फिर हमास के प्रमुख इस्माइल हानिया की तेहरान में हुई हत्या- इन दोनों घटनाओं ने अचानक इस क्षेत्र का तापमान काफी बढ़ा दिया है। आलम यह है कि कल तक शांति की जरूरत बता रही और इस दिशा में कोशिश कर रही शक्तियां भी फिलहाल संघर्ष के और तेज होने की आशंका के आगे लाचार दिख रही हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस जैसे तमाम देश अपने नागरिकों से तुरंत लेबनान छोड़ने की अपील कर रहे हैं। भारत ने भी अपने नागरिकों को लेबनान से दूर रहने और जो पहले से वहां हैं, उन्हें जल्द से जल्द वहां से निकलने को कहा है। इस्राइल में रह रहे भारतीयों से भी सतर्क रहने और प्रोटोकॉल्स का पालन करने को कहा गया है। ईरान की ओर से बार-बार कहा जा रहा है कि उसे जवाब देने का पूरा अधिकार है और वह इस अधिकार का इस्तेमाल निश्चित रूप से करेगा। दूसरी ओर इस्राइल भी हमले की आशंकाओं को लगभग स्वीकार करते हुए इसका सामना करने की तैयारियों में लग गया है। वहां नागरिकों को बताया जा रहा है कि हमला होने की स्थिति में किन-किन स्थानों को बम शेल्टर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही बन जाता है कि ईरान और उसके प्रॉक्सी संगठनों की तरफ से की जाने वाली कार्रवाई कितनी गंभीर होगी और इसके किस तरह के नतीजे सामने आएंगे। याद किया जा सकता है कि इसी साल अप्रैल में भी ईरान ने इस्राइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की थी। तब सीरिया के दमिश्क में इस्राइली कॉन्सुलेट पर हुई बमबारी का बदला लेने के लिए उसने इस्राइल पर 170 ड्रोन, 30 क्रूज मिसाइलें और 110 बैलिस्टिक मिसाइलें छोड़ी थीं। लेकिन इस कार्रवाई के बाद मामले को और बिगड़ने से बचा लिया गया था। क्या इस बार भी बात दोनों तरफ की सीमित और सांकेतिक कार्रवाई तक सीमित रहेगी? सभी पक्षों के मूड को देखते हुए फिलहाल इस उम्मीद में ज्यादा दम नजर नहीं आता, लेकिन यह बात भी सही है कि यूक्रेन और गाजा में चल रहे युद्धों के प्रत्यक्ष और परोक्ष नतीजों से जूझती दुनिया ईरान-इस्राइल के बीच एक और युद्ध झेलने की स्थिति में नहीं है। इसका भी कोई भरोसा नहीं है कि अगर ऐसा कोई युद्ध हुआ तो वह दूर तक नहीं फैल जाएगा। ऐसे में जरूरी है कि कूटनीति के सभी संभव दांव आजमाते हुए इस तनाव को यथासंभव कम नुकसान की कीमत पर निकल जाने दिया जाए।

आज का कार्टून

भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून बनाने में केंद्र की कोताही

प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार और काले धन पर और अधिक कार्रवाई करने का संकल्प लेते हुए कहा कि सरकार ने जांच एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी आजादी दे दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्रवाई में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। विपक्षी दलों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाली केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद जनप्रतिनिधियों के भ्रष्टाचार रोकने के लिए कानून बनाने में नाकाम रही है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई को लेकर याचिका पर सुनवाई स्वीकार करना स्वीकार कर लिया है। देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2018 में एक जनहित रिट याचिका पर आदेश दिया था कि चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के अलावा उनके परिवार के लोगों की सम्पत्ति और आय के स्त्रोतों की जानकारी देने के लिए केंद्र सरकार कायदे-कानून बनाए।

करीब 6 साल बीतने के बावजूद केंद्र सरकार इस आदेश की पालना करने में विफल रही। इस पर केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई को लेकर दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। आश्चर्य की बात यह है कि लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विपक्षी दलों के नेताओं को भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। प्रधानमंत्री मोदी सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर कटाक्ष किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गुट को भ्रष्ट लोगों का जमावड़ा बताया था। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हु कहा था कि विपक्षी नेता नोटों के बंडलों के साथ रंगे हाथों पकड़े जा रहे हैं। झारखंड और बंगाल में ऐसे मामले उजागर हो रहे हैं।

वे दिल्ली की जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ते। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि राजनीति में बदलाव के लिए आए लोगों ने दिल्ली की जनता को धोखा दिया है। पीएम ने कहा था कि शराब घोटाला हो या नेशनल हेराल्ड घोटाला, भ्रष्टाचारियों से एक-एक पैसा वसूला जाएगा। यह मोदी की गारंटी है। जिसने भी लूट की है, उसे जनता का पैसा वापस करना होगा। हम इस पर कानूनी राय लेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी भ्रष्ट लोगों के धन का एक्स-रे करेंगे। जिन्होंने लूट की है, उन्हें जेल जाना होगा। इतना ही नहीं राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करना एनडीए सरकार का एक मिशन है, न कि चुनावी लाभ का मामला। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार और काले धन पर और अधिक कार्रवाई करने का संकल्प लेते हुए कहा कि सरकार ने जांच एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी आजादी दे दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्रवाई में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पहले आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ सबूतों के साथ गंभीर आरोप लगाने और बाद में लोकसभा चुनाव लडने् के लिए उसके साथ गठबंधन करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं बिना किसी झिझक के यह कहना चाहता हूं और देशवासियों को भी बताना चाहता हूं कि मैंने एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की पूरी आजादी दी है। सरकार कहीं भी हस्तक्षेप नहीं करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें (जांच एजेंसियों को) ईमानदारी के लिए ईमानदारी से काम करना चाहिए। भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी व्यक्ति कानून से बच नहीं पाएगा। यह मोदी की गारंटी है। विपक्षी सदस्यों के इस आरोप का जिक्र करते हुए कि सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, प्रधानमंत्री मोदी ने दिवंगत मुलायम सिंह यादव जैसे विपक्षी नेताओं के बयानों का हवाला दिया, जिन्होंने यूपीए सरकार पर उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता करार दिया था। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों पर आरोप लगाए गए हैं। कहा गया है कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप शराब घोटाला करती है, आप भ्रष्टाचार करती है, आप बच्चों के लिए कक्षाएं बनाने में घोटाला करती है, आप पानी घोटाला भी करती है... कांग्रेस आप के खिलाफ शिकायत करती है।

कांग्रेस आप को अदालत में घसीटती है और अगर कार्रवाई होती है तो वे मोदी को गाली देते हैं। इन आरोपों के जवाब में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दलों का कहना था कि भाजपा जिन नेताओं पर करोड़ों के घोटाले का आरोप लगाती है, बाद में उन्हें ही अपनी पार्टी में शामिल करवा कर केस वापस ले लेती है। भाजपा के पास ऐसी वॉशिंग मशीन है, जिसमें 10 साल पुराना केस भी डालो तो आरोपी बेदाग होकर निकलता है। कांग्रेस ने विपक्ष के ऐसे 51 मामलो को गिनवाया जिन पर कार्रवाई चल रही है। इसके अलावा उन्होंने 20 केस ऐसे गिनाए, जिनमें भाजपा और उसकी सहयोगी दल के नेताओं पर केस दर्ज हैं। लेकिन वह अभी तक बचे हुए हैं और उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस ने एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल का नाम लेकर कहा था कि भाजपा ने प्रफुल्ल पटेल पर अरबों रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था लेकिन जब वे एनसीपी छोड़ भाजपा में शामिल हुए तब उनके सारे दाग धुल गए और वे बहुत अच्छे इंसान हो गए। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता सरमा का भी नाम लिया और कहा कि इनकी कहानी भी सेम है। गौरतलब है कि असम के मुख्यमंत्री पर गुवाहाटी में जलापूर्ति घोटाले का आरोप लगा था। नारायण राणे के खिलाफ ईडी-सीबीआई ने कई मामले दर्ज किए। अजीत पवार घोटाले के आरोप में ईडी द्वारा जांच चल रही थी। कांग्रेस की तरफ से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण पर भाजपा ने आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाले का आरोप लगाया था लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद इनके खिलाफ मामला आगे नहीं बढ़ा। इसके अलावा हसन मुश्रीफ और छगन भुजबल इन दोनों पर भाजपा ने मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया था। जिसके बाद श्क्ष्ठ ने इन पर कार्रवाई भी की थी. लेकिन इनके एनसीपी से अलग हो जाने के बाद इनके खिलाफ सारी कार्रवाइयां बंद हो गई। गौरतलब है कि भारत भ्रष्टाचार के मामले में विश्व में बदनाम है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2023 में 180 देशों में से भारत 93वें स्थान पर रहा। जबकि वर्ष 2022 में भारत की रैंक 85 थी। यह सूचकांक विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के कथित स्तर के आधार पर 180 देशों और क्षेत्रों को रैंक करता है।

भारत में हर तरफ भ्रष्टाचार का खुलासा एक अंतरराष्ट्रीय सर्वे में भी हो चुका है। सर्वे में शामिल कुल कंपनियों में से 80 फीसदी ने कहा है कि 2015-16 में वह भ्रष्टाचार से जुड़े धोखाधड़ी का शिकार हुई हैं। 2013-14 में ऐसी कंपनियों की संख्या 69 फीसदी थी। सवाल यही है कि देश में जब हर तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त हो तब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के जनप्रतिनिधियों सम्पत्ति और आय स्त्रोतों आदेश पर कानून बनाने में कोताही क्यों बरती है। केंद्र सरकार का यह रवैया भ्रष्टाचार के खिलाफ वादे-दावों के अंतर को बताता है। यदि ऐसा नहीं होता तो करीब 6 साल पहले दिए गए फैसले की पालना केंद्र सरकार कर चुकी होती।

असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों को मिलेगा निःशुल्क राशन

पंजीयन की अंतिम तिथि 12 अगस्त

इंदौर। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये आदेशानुसार अब असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों को भी राशन उपलब्ध कराया जायेगा। इस संबंध में राष्ट्रीअय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत लाभ देने के लिये शासन ने पात्रता परिवार में नयी श्रेणी जोड़ी है। नई श्रेणी के पात्र परिवारों को पात्रता पर्ची जारी करने के लिये पंजीयन की प्रक्रिया इंदौर जिले में शुरू कर दी गई है। पात्रता पर्ची बनाने का कार्य 12 अगस्त तक किया जायेगा। सभी पात्र श्रमिकों से आग्रह किया गया है कि वह इस सुविधा का लाभ लेकर अपना पंजीयन करवायें। ज्ञात रहे है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा एक जनहित याचिका में दिए गए आदेश के परिप्रेक्ष्य में ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों को पात्रतानुसार खाद्यान्न की आवश्यकता की पूर्ति हेतु पात्रता पर्ची (राशनकार्ड) जारी किया जाना है। इसके लिए संबंधित विभाग द्वारा प्राथमिकता परिवार में नवीन श्रेणी असंगठित एवं प्रवासी श्रमिक को जोड़ा गया है। ई-श्रम पोर्टल पर उक्त श्रेणी के पंजीकृत एवं पात्र परिवारों की पात्रता पर्ची सत्यापन के लिए श्रम विभाग नोडल विभाग है। शासन निर्देशानुसार 12 अगस्त 2024 तक उक्त श्रेणी के पात्र परिवारों की पात्रता पर्ची जारी किया जाना है। कलेक्टर आशीष ?सिंह द्वारा सहायक आयुक्त श्रम विभाग, आयुक्त नगर निगम, जिला परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जनपद पंचायत, समस्त नगरीय निकाय को निर्देश जारी किए गए हैं कि उक्त श्रेणी के ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हितग्राहियों का स्थानीय निकाय के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा आवश्यक परीक्षण कर अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों का सत्यापन एम राशन मित्र पोर्टल पर समय सीमा में कर पात्रता पर्ची जारी की जाये। असंगठित एवं प्रवासी श्रमिक श्रेणी में पात्रता अंतर्गत मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना एवं ई श्रम (भारत सरकार) पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिक एवं प्रवासी श्रमिक पात्र होंगे। साथ ही उन्हीं श्रमिकों का पंजीयन किया जाएगा जो एनएफएसए अंतर्गत वर्तमान में किसी भी श्रेणी में पात्र न होने के कारण योजना का लाभ लेने से वंचित है। इनमें ऐसे परिवार को छोडकर जिनकी मुखिया या सदस्य आयकरदाता हो या केन्द्र/राज्य सरकार के किसी कार्यालय, शासकीय/अर्द्धशासकीय/सार्वजनिक/स्वायत उपक्रम जिसमें राष्टीयकृत बैंक एवं सहकारी संस्थाएं शामिल है, में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी का कर्मचारी हो, को शामिल नहीं किया जायेगा। नवीन श्रेणी अंतर्गत पात्र श्रमिक स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत, नगर पालिका परिषद, नगर निगम के जोन कार्यालय में आवश्यक दस्तावेज जैसे- समग्र परिवार आईडी एवं आधार कार्ड की छायाप्रति, श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिक का ई कार्ड, ई श्रम पोर्टल पर दर्ज श्रमिक का यूएएन नंबर/ई-कार्ड एवं परिवार के मुखिया एवं किसी सदस्य का मोबाईल नंबर स्थानीय निकाय में देकर अपना पंजीयन सत्यापन कर पात्रता पर्ची प्राप्त कर सकते हैं। जिले में 1 लाख 60 हजार 837 हितग्राही ई श्रम पोर्टल पर पंजीकृत है, जिनकी निकायवार सूची स्थानीय निकाय को आपूर्ति अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराई गई है। उक्त अभियान पूर्ण गति से चल रहा है।

जिला पंचायत के सीईओ जैन ने सांवेर जनपद पंचायत के भ्रमण क दौरान ग्रामीण विकास संबंधी अनेक कार्यों का किया निरीक्षण

इंदौर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन द्वारा सांवेर जनपद पंचायत के विभिन्न ग्रामों का सघन भ्रमण किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जैन ने अपने भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत लसूड़िया परमार के शासकीय शाला भवन पहुँचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उपस्थित शिक्षकों व छात्रों से चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने शैक्षणिक गुणवत्ता व शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जैन ने आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बच्चों को उपलब्धः कारवाई जा रही सुविधाओं के साथ-साथ पोषण आहार संबंधी जानकारी ली। आंगनवाड़ी भवन को और अधिक आकर्षक तथा सज्जित करने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्राम में स्थित बास्केटबाल कोर्ट का भी इस दौरान निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत पीर कराडिया के निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत द्वारा 15 वित्त राशि से करवाए जा रहे कार्यों व पंचायत निधि के कार्यों का अवलोकन किया। समस्त कार्य समय सीमा मे गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये। ग्राम पंचायत डकाचिया के भ्रमण के दौरान पुलिया का भी मौका मुआयना कर निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत बूढ़ी बरलाई में पंचायत कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने दस्तावेजों की जाँच भी की। ग्राम में पंचायत द्वारा करवाए जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन आदर्श शमशान घाट का भी निरीक्षण किया। 1

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सदभावना पाती

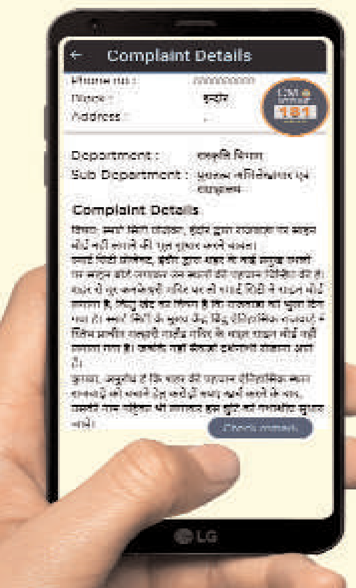

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सदभावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एप करें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

Over 13 Lakh Indian Students Studying Abroad, Highest Enrolled In Canada: Government

Over the years, there has been a significant increase in the number of students pursuing higher education from abroad. As per information shared by Minister of State for External Affairs Kirti Vardhan Singh in Rajya Sabha, around 13,35,878 Indian students are pursuing higher studies abroad in 2024. This is an increase from 13,18,955 students in 2023 while 9,07,404 in 2022. The minister shared data in a written response in Rajya Sabha to queries on whether the government maintains data of emigrant students moving abroad for studies.

As per the information shared in the upper house, in the current year the highest number of students have taken admission in Canada. Of the total 13,35,878 Indian students studying abroad, 4,27,000 are studying in Canada. The United States has the second highest number of students with 3,37,630 enrollments. Around 8,580 were studying in China, Eight in Greece, 900 in Israel, 14 in Pakistan and 2510 in Ukraine.

News Agency PTI quoted Mr Singh as saying, "Indian missions/posts abroad constantly engage with Indian students studying overseas and encourage them to either register with them or on the Global Rishta Portal. They organise 'Welcome Ceremonies' for Indian students who travel abroad for the first time and brief them on security issues in the host countries." "They also advise them to register with the Indian missions/posts and to regularly stay connected. Indian missions/posts use the aforesaid method to collect data of Indian students abroad through voluntary registrations. They also coordinate with the concerned authorities in the host Governments to secure data on the number of Indian students studying overseas," the minister added in his response.

The minister also added that the government has been continuously making efforts to 'increase' the number of countries that may provide visa free entry travel, visa-on-arrival facilities to Indians for ease of travelling around the world.

NEET PG Aspirants In Panic As Confidential Exam Details Leaked

At a time when several entrance exams in the country are marred by paper leak and cheating cases, a post by All FMGs Association on X is raising concern among postgraduate medical aspirants and other stakeholders.

As per the All FMG Association, a crucial notice from NBEMS has been leaked few days before the NEET PG exam. The matter seems concerning as the medical exam body NBEMS has not yet released any such notice about NEET PG on its official website. The notification posted by All FMG Association on X comprises information about the time of examination, time of entry of candidates, mode of conduct of examination, number of candidates taking NEET PG 2024 and the exam centres. As per the notice, the exam will be held on August 11, 2024 in two shifts from 9 am to 12:30 pm and 3:30 pm to 7 pm. Candidates appearing in the exam are required to enter the exam centre from 7 am for the morning shift and 1:30 pm for afternoon shift. The official notification further reads, "Given the critical nature of this examination, which significantly impacts the academic and professional future of a large number of medical students, it is imperative to ensure that the process is conducted in a secure and uninterrupted manner. Whereas NBEMS has left no stone unturned to ensure a smooth and safe conduct of this examination, we respectfully request your assistance..." NEET PG exam will be conducted on August 11 for 2,28,542 candidates at 376 examination centres in 169 cities.

Number Of Medical Colleges In India Rose To 731 From 387 In 2014: Government

The number of medical colleges in the country have nearly doubled since 2014, signifies the information shared by the government in the parliament. As per information by Union Health Minister JP Nadda in Lok Sabha, the number of medical colleges in the country has risen to 731 from 387 in 2014. The minister also added that the undergraduate medical seats in the country have also increased to over 1 lakh from 51,348. There is an increase of 118 per cent in the undergraduate seats and 133 per cent in the postgraduate seats.

During the discussion on demands for grants under the Ministry of Health and Family Welfare for 2024-25, the minister noted that, "There were 387 medical colleges in the country. The number now stands at 731. In addition, undergraduate medical seats have also increased from 51,348 to 1.12 lakh, marking a 118 per cent rise, while postgraduate seats have grown by 133 per cent." Maintaining that people's health is the priority of the Narendra Modi government, the health minister claimed that under the leadership of PM Modi, the world's largest health scheme is being run in India.

News agency IANS noted the minister as saying, "The health budget in the year 2013-14 was Rs 33,278 crore, today that budget has been increased to Rs 90,958 crore. Before the first NDA government (Atal Bihari Vajpayee government), there was just one AIIMS in the country, during the Atal Bihari Vajpayee-led government, six AIIMS were opened. In the last 10 years of the Modi government, 22 AIIMS have been approved. Of these 18 are operational and four are under construction." "About 12 crore families, that is more than 55 crore people, have been provided free treatment facilities up to Rs 5 lakh, under the Ayushman Bharat Scheme. Around 1.73 lakh Ayushman Arogya Mandirs have been established. The scheme, which provides free medicines and other health-related facilities including testing' has also 'reduced out-of-pocket expenditure from 62 per cent to 47.1 per cent' in the country," the minister added.

बीएसएनएल की 4जी सेवा 15 अगस्त से, पहले शहर फिर देहात में होगी शुरू

अलीगढ़ , एजेंसी। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) अपनी 4जी सेवा पूरे भारत में 15 अगस्त से लॉन्च कर रहा है। हालांकि, अभी अलीगढ़-हाथरस में तैयारियां आधी-अधूरी हैं। इसी के चलते पहले शहरी क्षेत्र में सेवा शुरू होगी। इसके बाद अक्तूबर तक देहात क्षेत्र में 4जी की सुविधा उपभोक्ताओं को मिलेगी।अलीगढ़-हाथरस में कुल 230 टॉवर बीएसएनएल लगा रहा है, इसमें से अभी तक अलीगढ़-हाथरस में 78 टॉवरों का काम पूरा हो चुका है। पहले चरण में 68 टॉवरों पर काम शुरू कराया गया था। इसे जून तक पूरा होना था, मगर यह काम जुलाई के अंतिम सप्ताह तक पूरा हो पाया। दूसरे फेस का काम जुलाई से शुरू होना था। उसमें भी देरी हो गई। शुरुआत में कार्य थोड़ा धीमी गति से हुआ था, अब गति बढ़ाई जा रही है। 15 अगस्त तक 4जी सेवा शहरी क्षेत्रों में हम लॉन्च कर देंगे। देहात के कई क्षेत्रों में यह काम अक्तूबर तक पूरा करा लिया जाएगा। बीएसएनएल से लगातार ग्राहक अच्छी संख्या में जुड़ रहे हैं। हम उपभोक्ताओं के लिए बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास कर रहे हैं। - तुषार गुप्ता, उप महाप्रबंधक बीएसएनएल, अलीगढ़। बीएसएनएल अधिकारियों के अनुसार, अभी आधिकारिक तौर पर 4जी सेवाएं शुरू नहीं हुई हैं। लेकिन, जिन टॉवरों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी का काम पूरा हो चुका है, वहां के उपभोक्ता 4जी सेवा का लाभ ले रहे हैं। प्रतिदिन चार हजार जीबी से अधिक डाटा डाउनलोड हो रहा है।बीएसएनएल की 4जी सेवा शुरू होने और दूसरी टेलीकॉम कंपनियों द्वारा टैरिफ बढ़ाए जाने का असर पड़ा है। जुलाई में 35000 लोग बीएसएनएल से जुड़े हैं। यह एक महीने में सबसे अधिक आंकड़ा है।

बांग्लादेश में बिगड़े हालात से नोएडा के कारोबारियों के पास बड़ा मौका, कैसे हो सकता है फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश में बिगड़े हालात पर नोएडा के रेडिमेड गारमेंट्स के निर्यातक नजर बनाए हुए हैं। उनका मानना है कि वहां पर बिगड़े हालात उनके लिए संजीवनी बन सकते हैं। इन हालात में विदेशों से बांग्लादेश को मिले अनेक ऑर्डर उन्हें मिल सकते हैं। उद्यमियों के अनुसार इन हालात में अगले तीन माह में उन्हें आठ से दस बिलियन का रेडिमेड गारमेंट का ऑर्डर मिल सकता है। हालांकि, उन्हें यह भी डर है कि वियतनाम, चीन और इंडोनेशिया उनके अरमानों पर पानी फेर सकते हैं और वे भी इन ऑर्डर पर अपनी निगाहें जमाए हुए हैं। नोएडा परिधान निर्यात क्लस्टर के अध्यक्ष ललित ठुकराल ने कहा कि रेडिमेड गारमेंट्स के कारोबार में बांग्लादेश उनका सबसे प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है। उसे हमारी तुलना में अधिक ऑर्डर मिलते हैं और वह अधिक निर्यात करता है।

Top 10 Private Engineering Colleges in India with High Employability Rates: IIRF Rankings 2024

The Indian Institutional Ranking Framework (IIRF) has recently unveiled its rankings for the top private engineering colleges in India, with a strong emphasis on employability. These institutions have consistently demonstrated a commitment to producing industry-ready graduates who are highly sought after by top recruiters.

A key factor contributing to the exceptional employability rates of these colleges is their robust career services and placement support. These institutions prioritise building strong industry connections, organising regular job fairs, and conducting recruitment drives to provide students with ample opportunities to network with potential employers.

S.NO.	INSTITUTE NAME	CITY	STATE
1	BIRLA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND SCIENCE (BITS PILANI)	PILANI	RAJASTHAN
2	Dhirubhai Ambani Institute of Information and Communication Technology	Gandhinagar	Gujarat
3	Vellore Institute of Technology	Vellore	Tamil Nadu
4	Birla Institute of Technology	Mesra	Jharkhand
5	Thapar Institute of Engineering & Technology	Patiala	Punjab
6	RV College of Engineering	Bangalore	Karnataka
7	SRM Institute of Science & Technology	Chennai	Tamil Nadu
8	BMS College of Engineering	Bangalore	Karnataka
9	Manipal Academy of Higher Education	Manipal	Karnataka
10	Amrita Vishwa Vidyapeetham University	Coimbatore	Tamil Nadu

Here are the top 10 private engineering colleges in India as per IIRF Rankings 2024, renowned for their outstanding employability records:

These institutions have consistently proven their ability to equip students with the necessary skills and knowledge to excel in their chosen engineering fields. Their focus on practical learning, industry collaborations, and dedicated placement cells has resulted in high placement rates and attractive salary packages for their graduates.

NIRF 2024: Top university, colleges rankings on August 12

The National Institutional Ranking Framework (NIRF) will announce the NIRF India Ranking 2024 on August 12, at 3 pm. Once released, the complete list, category-wise, will be uploaded at the official website — nirfindia.org.

Last year, the Indian Institute of Technology, Madras (IIT M) continued its dominance as the best higher education institution in the country as it secured the top spot for the fifth consecutive year. IIT Madras also bagged the first position in engineering for the eighth year in a row and was assessed as the second-best research institution in the country. IIT Madras missed the top spot in the research category by merely 2.2 marks, which was claimed by the Indian Institute of Science (IISc) in Bengaluru.

In the overall category, ranks third to tenth in the 'overall' category of 2023 were secured by IIT Delhi, IIT Bombay, IIT Kanpur, AIIMS Delhi, IIT Kharagpur, IIT Roorkee, IIT Guwahati and Jawaharlal Nehru University (JNU). Just like the engineering category, the medical category also saw repeated winner. The All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Delhi once again earned the top rank in the list of medical colleges last year. AIIMS Delhi was followed by Chandigarh's Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Christian Medical College and Bangalore's National Institute of Mental Health & Neuro Sciences (NIMHANS), who also retained their second, third and fourth spot, respectively.

NIRF 2023 rankings were released by the Minister of State for Education, Rajkumar Ranjan Singh. The 2023 rankings assessed 5,543 higher education institutions across 13 categories – 'overall', universities, medical, engineering, management, law, architecture, colleges, research institutions, pharmacy, dental, agriculture and allied sectors, and innovation. The agriculture category was introduced last year. As of now, no new category has been announced this year.

The National Institutional Ranking Framework (NIRF) was approved by the MHRD and launched by Minister of Human Resource Development on September 29, 2015.

बाजार में गिरावट से पहले वॉरेन बफे और म्यूचुअल फंड्स ने लगाया नकदी का ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर के शेयर मार्केट्स में सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिली। इसकी एक बड़ी वजह यह भी मानी जा रही है कि अभी शेयर मार्केट ओवरवैल्यूड है। अगर आपके लिए बाजार की मौजूदा स्थिति को समझना मुश्किल है तो इसका एक आसान तरीका है। आप देखिए कि शेयर मार्केट के बड़े धुरंधर कितनी नकदी जमा कर रहे हैं। जापान के येन कैरी ट्रेड को समाप्त करने, अमेरिका में मंदी की आशंका और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव जैसी कई बुरी खबरों से पहले के दुनियाभर के शेयर बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी। इस दौरान जून तिमाही में दिग्गज इनवेस्टर वॉरेन बफे के पास कैश बढ़कर लगभग 277 बिलियन डॉलर हो गया था।

लगातार सातवें महीने बफे की नकदी में बढ़ोतरी हुई। यह इस बात का संकेत है कि उन्हें अच्छी कीमतों पर अच्छे शेयर चुनने में मुश्किल हो रही है। भारत में सभी इक्विटी-आधारित म्यूचुअल फंड की कुल नकदी होल्डिंग जून में 1.52 लाख करोड़ रुपये थी जो उनके कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट का 4.59त्न थी। देश के सबसे बड़े फंड हाउस एसबीआई म्यूचुअल फंड ने जून में सबसे अधिक 26,902 करोड़ रुपये का कैश अलॉकेशन था। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और एचडीएफसी एएमसी जैसी अन्य कंपनियां भी कम से कम 20,000 करोड़ रुपये की नकदी के साथ बैठी हुई थीं। यह एक तरफ जहां बियरिश आउटलुक का संकेत दे रहा था, वहीं बड़ी गिरावट पर खरीदारी का इशारा था।

क्यों करें निवेशक

आनंद राठी के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट (इनेवेस्टमेंट सर्विसेज) पीयूष नागदा ने कहा कि घरेलू एएमसी के पास भारी मात्रा में नकदी है, जो जल्द ही भारतीय बाजारों को स्थिर कर देगी। इनवेस्टर यदि व्यक्तिगत शेयरों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकते हैं, तो वे म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश कर सकते हैं। हालांकि, जो लोग गिरावट पर खरीदारी करना चाहते हैं, उन्हें चरणबद्ध तरीके से करना चाहिए क्योंकि हो सकता है कि यह गिरावट की शुरुआत हो। मल्टी आर्क वेल्थ के सिद्धार्थ आलोक ने कहा कि निवेशकों को अपने ओवरऑल एसेट अलॉकेशन पर नजर रखनी चाहिए।

तीन करोड़ निवेशकों ने लगाए 27 हजार करोड़; वित्त मंत्री बोलीं- अब तक 138 करोड़ रुपये रिफंड हुए

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बताया कि गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) सहारा समूह की कंपनियों से संबंधित मामले की विस्तृत जांच कर रहा है और इसकी रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सहारा की कंपनियों में 3.07 करोड़ निवेशक हैं। इन्होंने 27,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अब तक 19,650 निवेशक ही रिफंड के लिए आगे आए हैं। इनमें से 17,250 दावों का निपटारा कर दिया गया है, जबकि बाकी आवेदकों को और कागजात उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। अब तक दावेदारों को 138.07 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। सीतारमण ने बताया कि सहारा समूह के संपूर्ण मामलों की निगरानी सुप्रीम कोर्ट की ओर से की जा रही है और सरकार शीर्ष अदालत के निर्देशों के अनुसार काम कर रही है। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने बताया कि यह सच है कि केवल छोटे निवेशक ही रिफंड का दावा करने के लिए आगे आए हैं। एसएफआईओ पूरे मामले की जांच कर रहा है।

नोएडा में 1 सितंबर से और महंगे हो जाएंगे मकान-दुकान, सस्ते रेटों पर संपत्ति खरीदने का इस महीने आखिरी मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा में वर्तमान दरों पर संपत्ति खरीदने का इस महीने आखिरी मौका है। करीब एक सप्ताह में नोएडा में संपत्ति के नए आवंटन रेट लागू हो जाएंगे। इसके बाद अगले 15 दिन में सर्किल रेट में भी बढ़ोतरी हो जाएगी। ऐसे में एक सितंबर के बाद से संपत्ति खरीदना महंगा हो जाएगा। ऐसे में आने दिनों में यहां घर खरीदने के लिए जमीन, फ्लैट लेने के अलावा उद्योग लगाना भी महंगा हो जाएगा। पिछले महीने 12 जुलाई को नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक हुई थी। बैठक

में आवासीय, औद्योगिक, ग्रुप हाउसिंग और संस्थागत संपत्ति की आवंटन दरों में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी।

आवासीय में श्रेणी ए प्लस के सेक्टरों की आवंटन दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी। बोर्ड बैठक में आवंटन रेट बढ़ने पर मुहर लगाई गई थी। अभी बोर्ड बैठक के मिनट्स जारी नहीं हुए हैं। मिनट्स जारी होने के बाद उसके आधार पर संपत्ति के रेट बढ़ाने के लिए कार्यालय आदेश जारी किया जाएगा। कार्यालय आदेश जारी होते ही उसी दिन से संपत्ति के नए रेट के अंतर्गत ही कामकाज होगा।

एकम्स ड्रग्स आईपीओ के निवेशकों को वो नहीं मिला जिसकी उम्मीद थी, तब भी भागते भूत की लंगोटी भली

मुंबई एजेंसी। ठेके पर दवा बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स के आईपीओ की आज शेयर बाजार में लिस्टिंग हो गई। नेशन स्टॉक एक्सचेंज ह्रस्थ और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज क्ल्स्थ पर ये शेयर 6.77 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। बीएसई पर यह 725 रुपये पर लिस्ट हुआ। आईपीओ के जरिये कंपनी ने दो रुपये फेस वैल्यू का एक शेयर 679 रुपये में दिया था।

निवेशकों को इस आईपीओ से उतना रिटर्न नहीं मिला जितनी उम्मीद जतायी जा रही थी। जिस दिन इस आईपीओ में बिडिंग शुरू हुई थी, उस दिन ग्रे मार्केट में एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स का जीएमपी 30 फीसदी तक दिखाया गया था। लेकिन आज यह महज 6.77 फीसदी पर ही लिस्ट हुआ। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद ही कारोबार के दौरान इसका शेयर उछल कर 784.65 रुपये पर चला गया था। दिन में 10.30 बजे यह 760 रुपये पर ट्रेड हो रहा था। इस आईपीओ को निवेशकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला था। रिटेल और गैर-संस्थागत निवेशकों ने तो इस पर जम कर प्यार लुटाया था। तभी तो यह 63.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 828.78 करोड़ रुपये जुटा लिए थे। कंपनी ने 50 एंकर निवेशकों को 679 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 1.22 करोड़ शेयर आवंटित किए थे। कंपनी ने इश्यू के जरिए 1,856.7 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें कंपनी के प्रोमोटर्स संजीव जैन और संदीप जैन ने 15.1 लाख शेयर बेचे हैं जबकि रूबी क्यूसी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स ने ह्रस्नस्के तहत 1.43 करोड़ शेयर बेचे

हैं। कंपनी आईपीओ से जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल कई उद्देश्यों के लिए करेगी। इस पैसे से कंपनी अपने और अपनी सब्सिडियरीज के कर्जों को चुकाने में इस्तेमाल करेगी। इसकी मैक्सक्योर न्यूट्रावेदिक्स और प्योर एंड क्योर हेल्थकेयर नाम से दो सब्सिडियरीज हैं। इसके अलावा आईपीओ से मिले पैसों का इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को भी पूरा किया जाएगा। शेष राशि से बाकी कॉरपोरेट जरूरतें भी पूरी की जाएंगी। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गेनाइजेशन है। यह भारत और विदेशों में फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स और सर्विसेज की एक बड़ी सीरीज ऑफर करती है। कंपनी कई तरह के फॉर्मूलेशन की मैन्युफैक्चरिंग करती है। सीडीएमओ के रूप में, कंपनी कई तरह के डोज तैयार करती है।

एलिआये पर बना दुनिया का सबसे अकेला मकान

एलिआये नाम का एक छोटा सा आईलैंड है। जो आईसलैंड के दक्षिण में स्थित है। तस्वीर में दर्शाया गया ये मकान उसी आईलैंड पर है। इस आईलैंड पर ये इकलौता मकान है। इसकी खासियत ये है कि इसमें कोई भी नहीं रहता है। इसके अलावा यहां कोई दूसरा मकान मौजूद नहीं। कहा जाता है कि 18वीं और 19वीं सदी में कुछ लोग यहां रहा करते थे। मगर 1930 के आसपास से बेहतर जीवन की उम्मीद में लोग यहां से चले गए। माना जाता है कि ये मकान करीबन 100 सालों से वीरान है। इस मकान को बनाने के पीछे कई कहानियां बताई जाती है। कुछ लोगों का कहना है कि ये मकान किसी अरबपति ने बनवाया था। वास्तव में इसे एलिआये हंटिंग एसोसिएशन ने बनवाया था। संगठन से जुड़े लोग जब भी शिकार करने आते थे, तो वे इसी लॉज में ठहरते थे।

यहां लगता है साढे तीन साल का सूर्यग्रहण!

वैज्ञानिकों ने एक से तारे की खोज की है जहां साढे तीन वर्ष का सूर्यग्रहण लगता है। ये दो तारे हैं जो कि पृथ्वी से एक हजार प्रकाश वर्ष दूर स्थित हैं। विज्ञानियों ने टीवाइसी 2505-672-1 युगल तारों में सबसे लंबे तथा सर्वाधिक अवधि के बाद लगने वाले ग्रहण का पता लगाया है। यह शोध एस्ट्रोनोमिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। वांडरबिल्ट विश्वविद्यालय के विज्ञानी जोए रोड्रिग्स ने अपने शोध में बताया कि दो विशेष खगोलीय पिंडों से यह खोज करना संभव हो पाया। वैज्ञानिकों का कहना है कि टीवाईसी बेहद दूर होने के कारण उसके चित्र आदि लेने की संभावनाएं बेहद सीमित रहीं। लेकिन वैज्ञानिकों ने सहयोगी सितारे का तापमान दर्ज कर लिया। इसके सहयोगी तारे का तापमान सूर्य की सतह से दो हजार डिग्री सेल्सियस अधिक था। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह का अगला ग्रहण 2080 में लगेगा। गौरतलब है कि इससे पहले सहयोगी तारे के कारण सबसे लंबे और अधिक अवधि के ग्रहण का रिकॉर्ड 27 वर्ष और 640 से 730 दिन का था जो कि एक अन्य विशाल तारे एप्सिलोन औरिगी के नाम था जो पृथ्वी से 22 सौ प्रकाश वर्ष दूर तथा बेहद चमकीला है।

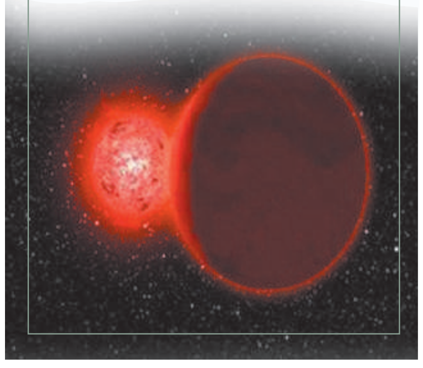

कंबोडिया में है दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर

दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर भारत में नहीं बल्कि कंबोडिया देश में है। इस मंदिर अंकोरवाट मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की बनावट अद्भुत है, जिसकी वजह से यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया हुआ है। आइए जानते हैं इस मंदिर की खास बातें और इतिहास...

यशोधरपुर था पहले इस मंदिर का नाम

हिंदू धर्म सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। इसकी पुरातन संस्कृति की झलक पूरी दुनिया में दिखती है। यही कारण है कि इस धर्म के प्रतीक, अवशेष, चिन्ह यहां तक प्राचीन मंदिर विदेशों में भी मिलते हैं। इन्हीं प्राचीन मंदिरों में से एक है कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर। यह एक हिंदू मंदिर है। 402 एकड़ में फैला यह मंदिर कंबोडिया के अंकोर में है। प्राचीन समय में इस मंदिर का नाम यशोधरपुर था। बताया जाता है कि इसका निर्माण सम्राट सूर्यवर्मन द्वितीय (1112-53 ई) के शासनकाल में हुआ था। खमेर शास्त्रीय शैली से प्रभावित है यहां का खमेर शास्त्रीय शैली से प्रभावित स्थापत्य वाले इस विष्णु मंदिर का निर्माण कार्य सूर्यवर्मन द्वितीय ने प्रारंभ जरूर किया, लेकिन वे इसे पूरा नहीं कर सके। मंदिर का कार्य उनके भांजे व उत्तराधिकारी धरणीन्द्रवर्मन के शासनकाल में पूरा हुआ। मिश्र व मैक्सिको के स्टेप पिरामिडों की तरह यह सीढ़ी पर उठता गया है। इसका मूल शिखर लगभग 64 मीटर ऊंचा है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी आठों शिखर 54 मीटर ऊंचे हैं। मंदिर साढ़े तीन किलोमीटर लंबी पत्थर की दीवार से घिरा हुआ था, उसके बाहर 30 मीटर खुली भूमि और फिर बाहर 190 मीटर चौड़ी खाई है। विद्वानों के अनुसार, यह चोल वंश के मंदिरों से मिलता-जुलता है।

इस मंदिर में स्थापित हैं भगवान विष्णु

इस मंदिर की रक्षा के लिए चारों तरफ खाई बनवाई गई, जिसकी चौड़ाई लगभग 700 फुट है। दूर से यह खाई झील की तरह दिखती है। मंदिर के पश्चिम की ओर इस खाई को पार करने के लिए एक पुल बना हुआ है। पुल के पार मंदिर में प्रवेश के लिए एक विशाल द्वार है, जो लगभग 1,000 फुट चौड़ा है। अंकोरवाट यहां का एक अकेला ऐसा स्थान है, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों की मूर्तियां एक साथ हैं। अंगकोरवाट मंदिर की खासियत है कि विष्णु भगवान का यह दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर है। कंबोडिया के मीकांग नदी के किनारे सिमरिप शहर में स्थापित इस मंदिर के प्रति वहां के लोगों में अपार श्रद्धा है। यही वजह है कि इस मंदिर को राष्ट्र के लिए सम्मान का प्रतीक माना जाता है और इसे कंबोडिया के राष्ट्रध्वज में भी स्थान दिया गया है। यह मंदिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है।

दीवारों पर उकेरे गए हैं हिंदू धर्म से जुड़े प्रसंग

यह मंदिर सनातन संस्कृति का साक्ष्य है। इसकी दीवारों पर हिंदू धर्मग्रंथों के प्रसंगों का अद्भुत चित्रण है। आप यहां अप्सराओं का सुंदर चित्र देख सकते हैं। यहां तक कि असुरों और देवताओं के बीच हुए समुद्र मंथन के दृश्य को भी बड़े ही सुंदरता से उकेरा गया है।

यूनेस्को के विश्व धरोहरों में से एक है यह मंदिर

अंकोरवाट मंदिर विश्व के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। यही कारण है कि इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया हुआ है। यहां लोगों को वास्तुशास्त्र का अनोखा स्वरूप देखने को मिलता है। पर्यटक यहां सिर्फ मंदिर की खूबसूरती और इतिहास जानने ही नहीं आते, बल्कि यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त देखने का अनुभव भी असाधारण होता है। सनातन धर्म के लोग इसे पवित्र तीर्थस्थान मानते हैं।

भारतीय गुप्त कला की दिखती है झलक

इस विशाल मंदिर की दीवारों पर रामायण की कथाएं मूर्तियों में दर्शायी गई हैं। ऐसा लगता है कि विदेशों में जाकर भी प्रवासी कलाकारों ने भारतीय कला को जीवित रखा था। मंदिर में की गई कलाकारी को देखकर लगता है कि यह भारतीय गुप्त कला से प्रभावित है। यहां के मंदिरों में तोरण द्वार और अलंकृति शिखर दिखते हैं।

मंदिर पर बौद्ध धर्म का भी पड़ा असर

अंगकोरवात के हिंदू मंदिरों पर बाद में बौद्ध धर्म का गहरा प्रभाव पड़ा। कालांतर में उनमें बौद्ध भिक्षुओं ने निवास भी किया था। इस क्षेत्र में 20वीं सदी की शुरुआत में जो पुरातात्विक खुदाई हुई हैं, उनसे ख्मेर के धार्मिक विश्वासों, कलाकृतियों और भारतीय परंपराओं की प्रवासात परिस्थितियों पर बहुत प्रकाश पड़ा है। यहां हर साल हजारों पर्यटक आते हैं।

बड़ी ही रोमांचक है अंकोरवाट मंदिर बनने की कहानी

अंकोरवाट मंदिर की दीवारों पर मूर्तियों में पूरी रामायण अंकित है। मीकांग नदी के किनारे बना यह मंदिर आज भी संसार का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है जो सैकड़ों वर्ग मील में फैला है।

12वीं शताब्दी के अंकोरवाट मंदिर को चूना पत्थर की विशाल चट्टानों से कुछ ही दशकों में बना लिया गया था। डेढ़ टन से ज्यादा वजन वाली ये चट्टानें बहुत दूर से लाई जाती थीं। सैकड़ों किलोमीटर दूर से विशाल चट्टानों को लाना तब असंभव सा था। तत्कालीन हिंदू राजा ने मंदिर के लिए करीब स्थित माउंट कुलेन से चट्टानें लाने में भूमिगत नहरों की मदद ली। नावों में लादकरक ये चट्टानें पहुंचाई गई।

एक करोड़ चट्टानों से बना मंदिर

12वीं सदी का यह मंदिर करीब एक करोड़ चट्टानों से बना है। भूगर्भशास्त्रियों के अनुसार इस मंदिर को सिर्फ एक राजा के शासनकाल में तैयार कर लिया गया था। उन दिनों दक्षिण-पूर्वी एशिया में सर्वाधिक प्रभावशाली और समृद्ध रहा खमेर साम्राज्य आधुनिक लाओस से लेकर थाईलैंड, वियतनाम, बर्मा और मलेशिया तक फैला था।पुरावेत्ताओं ने अंकोरवॉट मंदिर के गुम हो जाने और आसपास घने जंगलों में खो जाने के कारणों पर काफी अध्ययन किए हैं। ताजा शोध में वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र का उपग्रह चित्र लिया, जिसमें पाया कि पूरा इलाका प्राचीन भूमिगत नहरों से जुड़ा है। शायद इसलिए हजारों किलोमीटर दूर से इन नहरों के जरिए कम से कम समय में चूना पत्थरों को मंदिर निर्माण के लिए लाया गया होगा। खमेर साम्राज्य के लोग धान की खेती करते थे। वे खेती को इस हद तक बढ़ावा देने लगे कि पर्वत के पेड़ काटकर वहां भी धान बोने लगे। युद्धों से तो खामेर साम्राज्य सिमट ही रहा था, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के नाते वह प्राकृतिक विनाश का भी शिकार बना। और अंकोरवाट मंदिर कहीं खो गया जिसे बाद में घने जंगलों के बीच 16वीं शताब्दी में फिर खोजा जा सका।

दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल

अंकोरवाट कंबोडिया में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक है, जो करीब 162.6 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है। यह मूल रूप से खमेर साम्राज्य में भगवान विष्णु के एक हिंदू मंदिर के रूप में बनाया गया था। मीकांग नदी के किनारे सिमरिप शहर में बना यह मंदिर आज भी संसार का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है जो सैकड़ों वर्ग मील में फैला हुआ है। यह मन्दिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है। इसकी दीवारों पर भारतीय धर्म ग्रंथों के प्रसंगों का चित्रण है। इन प्रसंगों में अप्सराएं बहुत सुंदर चित्रित की गई हैं, असुरों और देवताओं के बीच समुद्र मन्थन का दृश्य भी दिखाया गया है। सनातन धर्म को मानने वाले इसे अपना पवित्र तीर्थस्थान मानते हैं।

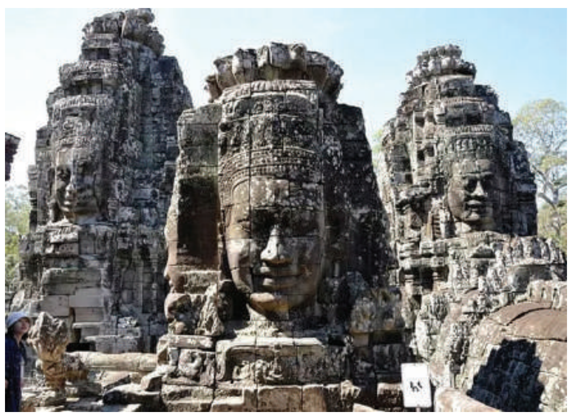

दुनिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर में छिपे हैं कई गहरे राज

अमर होने से जुड़ी है इसके निर्माण की कहानी

हिंदू धर्म भारत का सबसे बड़ा और मूल धार्मिक समूह है। यहां की लगभग 80 फीसदी जनसंख्या हिंदू धर्म को मानती है और यही वजह है कि भारत में अनेक हिंदू मंदिर हैं। शायद ही देश का ऐसा कोई भी शहर या गांव होगा, जहां कोई मंदिर न हो। लेकिन इसके बावजूद आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर भारत में नहीं बल्कि कंबोडिया में है। इस मंदिर का नाम है अंकोरवाट मंदिर। यह मंदिर कंबोडिया के अंकोर में है, जिसका पुराना नाम यशोधरपुर था। इसका निर्माण 12वीं सदी में खामेर वंश के सम्राट सूर्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में हुआ था। खास बात ये है कि यह एक विष्णु मंदिर है जबकि यहां के पूर्ववर्ती शासकों ने प्राय- शिव मंदिरों का ही निर्माण कराया था।

402 एकड़ में फैले इस मंदिर की दीवारों पर भारतीय धर्म ग्रंथों के प्रसंगों का चित्रण है। इन प्रसंगों में अप्सराएं बहुत सुंदर चित्रित की गई हैं। इसके अलावा यहां समुद्र मंथन का दृश्य भी दिखाया गया है।

विश्व के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक होने के साथ ही यह मंदिर यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में से एक है। पर्यटक यहां केवल वास्तुशास्त्र का अनुपम सौंदर्य देखने ही नहीं आते बल्कि यहां का सूर्योदय और सूर्यास्त देखने भी आते हैं।

इस मंदिर की खासियत ये है कि इसका मुख्य द्वार पश्चिम दिशा में स्थित है, जबकि सभी प्रमुख हिंदू तीर्थों और मंदिरों के द्वार पूर्व दिशा में होते हैं। सूर्यास्त के समय ऐसा लगता है जैसे यह मंदिर सूर्यदेव को नमन कर रहा हो। ढलते सूरज की रोशनी में इस मंदिर की सुंदरता को देखते बनती है। कहते हैं कि राजा सूर्यवर्मन हिंदू देवी-देवताओं से नजदीकी बढ़ाकर अमर होना चाहते थे। इसलिए उन्होंने अपने लिए एक विशिष्ट पूजा स्थल बनवाया, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों की ही पूजा होती थी।

आज यही मंदिर अंगकोर वाट के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर के बारे में यह भी कहा जाता है कि स्वयं देवराज इन्द्र ने महल के तौर पर अपने बेटे के लिए इस मंदिर का निर्माण करवाया था।

इस मंदिर की रक्षा के लिए एक चतुर्दिक खाई का भी निर्माण कराया गया था, जिसकी चौड़ाई लगभग 700 फुट है। दूर से यह खाई किसी झील की तरह दिखती है। मंदिर के पश्चिम की ओर इस खाई को पार करने के लिए एक पुल बना हुआ है। पुल के पार मंदिर में प्रवेश के लिए एक विशाल द्वार निर्मित है, जो लगभग 1,000 फुट चौड़ा है। मंदिर की दीवारों पर समस्त रामायण मूर्तियों में अंकित है। इस मंदिर का इतिहास बौद्ध और हिंदू दोनों ही धर्मों से बहुत निकटता से जुड़ा है। यह मंदिर मूल रूप से हिंदू धर्म से जुड़ा पवित्र स्थल है, जिसे बाद में बौद्ध रूप दे दिया गया, लेकिन आज भी हिंदू और बौद्ध धर्म के अनुयायी समान रूप से इस मंदिर में आस्था रखते हैं। यह मंदिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है। दरअसल, हिंदू धर्म में मेरु पर्वत को भगवान ब्रह्मा सहित अनेक देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। चूंकि यह मंदिर कंबोडिया की पहचान रहा है, इसलिए इस मंदिर की तस्वीर कंबोडिया के राष्ट्रीय ध्वज पर भी दिखती है।

विनेश ने तोक्यो खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सुसाकी को हराकर किया शानदार आगाज

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक के महिला 50 किग्रा कुश्ती के अंतिम 16 मैच में मंगलवार को जापान की युई सुसाकी को 3-2 हरा कर बड़ा उलटफेर किया। चार बार की विश्व चैम्पियन सुसाकी ने तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। विनेश के खिलाफ मुकाबले में आखरी कुछ सेकेंड से पहले उनके पास 2-0 की बढ़त थी। अपना तीसरा ओलंपिक खेल रही विनेश ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल कर आखिरी कुछ सेकेंड में जापान की चैम्पियन पहलवान को टेकडाउन कर जीत हासिल की। जापान ने इसके खिलाफ अपील भी की लेकिन रेफरी ने वीडियो रीप्ले देखने के बाद उसे खारिज कर दिया। विनेश पहली बार 50 किग्रा में चुनौती पेश कर रही है। इससे पहले वह 53 किग्रा में खेलती थी। विनेश शुरुआती एक मिनट मे सुसाकी कोई पकड़ बनाने का कोई मौका नहीं दिया। सुसाकी हालांकि दूसरे मिनट में बढ़त बनाने में सफल रही। विनेश ने सुसाकी की आक्रमण का अपनी मजबूत रक्षण से शानदार जवाब दिया। दूसरे पीरियड में भी सुसाकी विनेश की रक्षण को भेदने में सफल नहीं रही लेकिन उन्होंने एक अंक हासिल कर 2-0 की बढ़त बना ली। विनेश ने अपना सर्वश्रेष्ठ आखिरी कुछ सेकेंडों के लिए बचा रखा था और उनके अचानक से अपनाये गये आक्रामक रवैये ने जापान की पहलवान को संभलने का मौका नहीं दिया। वह आज ही अपना क्वार्टर फाइनल मैच खेलेंगी, जिसमें उनके सामने यूक्रेन की ओसाना लिवाच की चुनौती होगी।

पेरिस ओलंपिक

निखत जरीन का भारत लौटने पर स्वागत, कहा, मैं मजबूत होकर वापसी करूंगी

पेरिस, एजेंसी। भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन का पेरिस ओलंपिक से भारत लौटने पर शमशाबाद में एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। पेरिस ओलंपिक में भारत की पदक की सबसे बड़ी उम्मीदों में एक निखत जरीन का अभियान प्री-क्वार्टर फाइनल तक ही रहा था। ओलंपिक में निखत को महिलाओं के 50 किग्रा राउंड ऑफ 16 में 5-0 से हार मिली थी। अब निखत स्वदेश लौट आई हैं। इस अवसर पर निखत का माला और शाल पहनाकर स्वागत किया गया।

इस दौरान निखत ने कहा, मुझे ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। मैंने कड़ी मेहनत की और मैं मजबूत होकर वापसी करूंगी। मैं अपनी गलतियों से सबक लूंगी। मैं तेलंगाना सरकार का भी धन्यवाद अदा करना चाहती हूं। निखत जरीन ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में ओलंपिक पदक जीतने के अपने सपने की विफलता पर गहरा दुख व्यक्त किया था। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत, त्याग और अटूट दृढ़ संकल्प के बावजूद वह अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर सकीं।

नौकायन में नेत्रा 21वें स्थान के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई करने से चूकीं, पदक की उम्मीद टूटी

पेरिस, एजेंसी। क्वालिफाइंग चरण में कुल 10 दौड़ होती हैं जिसके बाद पदक दौड़ की लिस्ट तय की जाती है। हालांकि, 10वीं दौड़ खराब मौसम के कारण रद्द कर दी गई। नियम के अनुसार, क्वालिफाइंग दौड़ के बाद समय के मामले में केवल शीर्ष 10 ही पदक दौर में पहुंचते हैं। नेत्रा क्वालिफाइंग दौड़ के बाद 21वें स्थान पर रहीं। पेरिस ओलंपिक का 10वां दिन भारत के लिए कुछ खास नहीं रहा। बैडमिंटन और कुश्ती में पदक की उम्मीद टूटने के बाद नौकायन में भी झटका लगा।

भारतीय महिला नौकायन खिलाड़ी नेत्रा कुमानन सोमवार को व्यक्तिगत डिंगी स्पर्धा में नौवीं क्वालिफाइंग दौड़ के बाद 21वें स्थान पर रहीं। वह अब पदक की दौड़ से बाहर हो गई हैं। बता दें कि क्वालिफाइंग चरण में कुल 10 दौड़ होती हैं जिसके बाद पदक दौड़ की लिस्ट तय की जाती है। हालांकि, 10वीं दौड़ खराब मौसम के कारण रद्द कर दी गई। नियम के अनुसार, क्वालिफाइंग दौड़ के बाद समय के मामले में केवल शीर्ष 10 ही पदक दौर में पहुंचते हैं। नेत्रा क्वालिफाइंग दौड़ के बाद 21वें स्थान पर रहीं।

नेत्रा ने नौवीं क्वालीफाइंग रेस में 43 प्रतिभागियों में से 10वें स्थान हासिल किया। इसी के साथ वह ओवरऑल तालिका में तीन स्थान के सुधार के साथ 21वें स्थान पर पहुंची। अपना दूसरा ओलंपिक खेल रही नेत्रा का पेरिस में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पहली क्वालिफाइंग रेस में था जिसमें वह छठे स्थान पर रहीं थीं। उनका सबसे खराब प्रदर्शन आठवीं रेस में था जहां वह निराशाजनक 31वें स्थान पर रहीं।

पेरिस ओलंपिक

कोच वीरेंद्र दहिया ने कोरियाई खिलाड़ी को ठहराया निशा दहिया की चोट का जिम्मेदार

पेरिस, एजेंसी। निशा के लिए यह मुकाबला बेहद दर्दनाक साबित हुआ। उन्होंने तीन मिनट तक 8-1 की बढ़त बना ली थी। फिर उत्तर कोरियाई पहलवान ने निशा को मैट से बाहर कर एक अंक अर्जित किया और स्कोर 8-2 हो गया। जब मुकाबले को खत्म होने में 33 सेकंड बचे थे, तभी निशा चोटिल हुईं।

भारत की स्टार पहलवान निशा दहिया महिलाओं की 68 किग्रा स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में चोटिल हो गईं। सोमवार को उनका सामना उत्तर कोरिया की पाक सोल गम से हुआ। इस मैच के दौरान निशा के दाएं हाथ में गंभीर चोट आई जिसकी वजह से उन्हें मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। अब महिला पहलवान की चोट पर राष्ट्रीय टीम के कोच वीरेंद्र दहिया ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उत्तर कोरिया की खिलाड़ी को इस चोट का जिम्मेदार ठहराया है।

राष्ट्रीय टीम के कोच ने लगाया बड़ा आरोप

वीरेंद्र दहिया ने समाचार एजेंसी से बात करते बताया कि उत्तर कोरिया की खिलाड़ी पाक सोल गम ने जानबूझकर निशा को चोट पहुंचाई। उन्होंने कहा, यह शत प्रतिशत जानबूझकर किया गया था, उसने जानबूझकर निशा को चोट पहुंचाई। हमने देखा था, कोरियाई कोने से एक निर्देश आया था जिसके बाद उसने कलाई की जोड़ के पास पर हमला किया। उसने निशा से पदक छीन लिया। जिस तरह से निशा ने शुरुआत की थी, पदक उसके गले में था और उसे छीन लिया गया है। निशा रक्षण और जवाबी हमले दोनों में शानदार थी उसने एशियाई क्वालीफायर में उसी पहलवान को हराया था।

चोटिल होने की वजह से हारीं निशा

निशा के लिए यह मुकाबला बेहद दर्दनाक साबित हुआ। उन्होंने तीन मिनट तक 8-1 की बढ़त बना ली थी। फिर उत्तर कोरियाई पहलवान ने निशा को मैट से बाहर कर एक अंक अर्जित किया और स्कोर 8-2 हो गया। जब मुकाबले को खत्म होने में 33 सेकंड बचे थे, तभी निशा चोटिल हुईं। मैच को रोका गया और उनके हाथ पर बैंड पहनाया गया। हालांकि, बैंड बांधना निशा के लिए अच्छा साबित नहीं हुआ। उत्तर कोरिया की पहलवान ने इस मौके का फायदा उठाया और 11 सेकंड में चार अंक हासिल किए और स्कोर 8-8 से बराबर हो गया। जब मैच खत्म होने में 12 सेकंड बचे थे। तभी निशा को ज्यादा दर्द होने लगा और मैच फिर रोका गया।

फीजियो ने निशा का इलाज किया, लेकिन निशा को देखकर लग रहा था कि उनके दाएं हाथ में काफी तेज दर्द था। वो उस वक्त रोने लगीं। हालांकि, कोच ने निशा से कहा कि अभी भी आप जीत सकती हैं। अगर स्कोर 8-8 की बराबरी पर रुका होता तो निशा सेमीफाइनल में पहुंच जातीं। हालांकि, आखिरी 12 सेकंड में उत्तर कोरियाई पहलवान ने दो अंक हासिल किए और मैच 10-8 से अपने नाम किया।

भारत में हो सकता है महिला टी-20 वर्ल्ड कप, आईसीसी जल्द लेगा फैसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हुए हालिया घटनाक्रमों ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को 2024 महिला टी20 विश्व कप को लेकर असमंजस में डाल दिया है। देश में आंतरिक अशांति ने अक्टूबर में होने वाले वैश्विक आयोजन की सुरक्षा को लेकर आईसीसी के मुख्यालय दुबई में चिंता पैदा कर दी है।

रिपोर्ट के अनुसार अगर बांग्लादेश से टूर्नामेंट की मेजबानी ले ली जाती है तो यह चौंकाने वाला फैसला नहीं होगा। देश में लंबे समय से कर्फ्यू है। इंटरनेट बंद होने के साथ-साथ दंगे,आगजनी और हिंसा हो रही है। आईसीसी एक सप्ताह में फैसला ले सकता है। अन्य विकल्पों में भारत एक मजबूत दावेदार है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद आईसीसी के प्रवक्ता ने कहा, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी), उनकी सुरक्षा एजेंसियों और अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ समन्वय में आईसीसी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। हमारी प्राथमिकता सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और भलाई है।

बांग्लादेश के टाइम जोन वाला देश का चयन हो सकता है

दस टीमों को 3 से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश के ढाका में शेरे बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम और सिलहट में सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 18 दिनों में 23 मैच खेलने हैं। लेकिन मौजूदा हालात में टूर्नामेंट का आयोजन मुश्किल लग रहा है। आईसीसी टूर्नामेंट के लिए बांग्लादेश के टाइम जोन वाला देश चुन सकता है। भारत के अलावा, यूएई और श्रीलंका भी इस आवश्यकता को पूरा करते हैं।

विश्व कप के लिए पर्याप्त समय

आईसीसी एक सदस्य ने कहा, अगर यह स्पष्ट हो जाता है कि हम बांग्लादेश में नहीं खेल सकते हैं,तो अनुकूल मौसम वाले सभी स्थानों पर विचार किया जाएगा। ऐसा हो भी सकता है और नहीं भी। कोलंबो में हाल ही में हुए बैठक के बाद आईसीसी अधिकारियों ने कहा था कि वे देश में स्थिति पर नजर रख रहे हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे, क्योंकि विश्व कप के लिए पर्याप्त समय है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक में होगा फैसला

हाल ही में स्थिति गंभीर हो गई है। उम्मीद है कि आईसीसी जल्द ही ढाका और सिलहट में टूर्नामेंट आयोजित करने की स्थिति पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अधिकारियों से बात करेगा। बीसीबी अधिकारियों से मिलने वाली जानकारी महत्वपूर्ण होगी, लेकिन आईसीसी बोर्ड की जल्द ही बैठक होने की उम्मीद है।

एथलीटों का शरीर तोड़ रहा ओलिम्पिक, चोटों के साथ खेल रहे प्लेयर्स

पेरिस, एजेंसी। मारियाना पाजोन दुनिया के सबसे कुशल बी.एम.एक्स. राइडर्स में से एक है जोकि 18 विश्व चैम्पियनशिप, 2 ओलिम्पिक स्वर्ण पदक (2012 और 2016 में) और 2021 में टोक्यो में एक रजत जीत चुकी है। कोलम्बियाई मूल की पाजोन ने इसे पाने के लिए बहुत शरीरिक दर्द सहा है। उनके शरीर में 25 फ्रैक्चर हो चुके हैं। 12 जगह स्क्रू डाले गए हैं जबकि 8 की सर्जरी हो चुकी है।

उनके बाएं हाथ और घुटने में कई धातु की रॉड डली हुई है जिसके चलते उन्हें अपना एक्सरे हमेशा साथ रखना पड़ता है ताकि यात्रा के दौरान दिक्कत न हो। पाजोन कहते हैं- मेरे जोड़ 80 से अधिक साल के व्यक्ति के हैं। जबकि मेरी उम्र 32 साल ही है। 4 साल की उम्र से सक्रिय पाजोन भले ही अब प्रभावशाली प्लेयरों में से एक है लेकिन इतने सालों में चोटों के कारण उन्होंने अपने शरीर को खराब कर लिया है।

यही नहीं, कुश्ती, रग्बी या जिमनास्टिक में ऐसे अनेकों उदाहरण सामने आती हैं जहां प्लेयर के कंधे टूट जाते हैं। उनके शरीर में धातु के स्क्रू और टाइटेनियम प्लेट्स डली हुई होती है। पाजोन बोली- एक सपने को हासिल करने के लिए आप अपने शरीर से क्या देते हैं, इसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। टोक्यो में फ्रीस्टाइल कुश्ती (74 किलोग्राम) में कांस्य पदक जीतने वाले अमरीकी काइल डेक ने कहा कि बहुत से एथलीट्स अपने शरीर को उस ब्रेकिंग प्वाइंट पर ले जाते हैं जहां वह देखना चाहते हैं कि इससे आगे क्या होगा। मुझे मेरी सीमाएं मिल गई हैं। अब मुझे पता है कि कहां जाना है और कहां नहीं। अपने खेल की प्रकृति के कारण पाजोन और डेक जैसे ओलिम्पियनों ने बहुत कुछ सहा है। पाजोन कहती हैं कि बी.एम.एक्स. रेसिंग में स्पीड कई बार 35 मील प्रति घंटे से अधिक हो जाती है। इसपर कोई अंकुश नहीं होता।

आपकी कलाई, कोहनी, कंधे, पीठ, घुटने, टखने हमेशा निशाने पर होते हैं लेकिन एक तकनीक होती है जो आपकी बचाकर रखती है लेकिन इसके आपको खूब मेहनत करनी पड़ती है। इसी तरह जिम्नास्टिक में जोड़ों पर लगातार भारी दबाव पड़ता है। मुक्केबाजी में शरीर पर घूंसे मारे जाते हैं। कुश्ती में शरीर को मोड़कर चटाई पर पटक दिया जाता है।

रग्बी सेवन्स में खिलाड़ी अक्सर पूरी गति से दौड़ते हुए एक-दूसरे से निपटते हैं। फील्ड हॉकी में स्टिक ऊंगलियों को इतनी जोर से कुचल सकती है कि इसे काटना तक पड़ सकता है। घुड़सवारी के खेल में घोड़ों से गिरने से सवारों के शरीर पर चोट लगती है। अमरीका के 44 वर्षीय बॉयड मार्टिन की 22 सर्जरी हुई हैं और 19 हड्डियां टूटी हैं।

राजकुमार ने पत्रलेखा के अभिनय की तारीफ की

निर्देशक अनुभव सिन्हा की आईसी 814 द कंधार हाइजैक आगामी इस साल की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज में से एक है। आईसी 814 द कंधार हाइजैक इस महीने नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। 1999 के कंधार प्लेन हाईजैक घटना पर आधारित है, जब एक भारतीय विमान को हाइजैक कर लिया गया था और सात दिनों तक यात्रियों को बंधक बनाकर रखा गया। हाल ही में सीरीज का टीजर रिलीज किया गया था, जो सभी को पसंद आया। सीरीज में राजकुमार राव की पत्नी और अभिनेत्री पत्रलेखा ने भी अभिनय किया है, जिसे लेकर राजकुमार ने उनकी तारीफ की है। कंधार विमान अपहरण दिसंबर 1999 में हुई एक नाटकीय घटना को संदर्भित करता है, जब इंडियन एयरलाइंस की उड़ान 814 को आतंकवादियों के एक समूह ने अपहरण कर लिया था। काठमांडू से दिल्ली जा रहे विमान को अपहरणकर्ताओं द्वारा अपने कब्जे में लेने के बाद अफगानिस्तान के कंधार की ओर मोड़ दिया गया था। यही अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित सीरीज आईसी 814: द कंधार हाईजैक में दिखाया गया है। सीरीज का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। सभी इसे लेकर सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा कर रहे हैं। सीरीज के टीजर पर प्रशंसकों के साथ ही कई मशहूर हस्तियों का पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा है। हर कोई सीरीज के टीजर की तारीफ कर रहा है और इसकी रिलीज का बंसब्री से इंतजार कर रहा है। तो वहीं राजकुमार राव ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी पत्नी पत्रलेखा की आगामी सीरीज आईसी 814 द कंधार हाइजैक में उनके किरदार के साथ ही सीरीज के टीजर की तारीफों के पुल बांध दिए हैं। उन्होंने कहा कि वह इसे देखने के लिए और अधिक इंतजार नहीं कर सकते।

श्रद्धा कपूर का राहुल मोदी संग हुआ ब्रेकअप

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'स्त्री 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं, इसी बीच खबर आई है कि एक्ट्रेस का ब्रेकअप हो गया है। श्रद्धा कपूर, राहुल मोदी के साथ लंबे समय से रिलेशनशिप में थीं, हाल ही में उन्होंने राहुल मोदी संग अपने रिश्ते को ऑफिशियल भी किया था, फैंस को दोनों की शादी की न्यूज का इंतजार था मगर आ गई ब्रेकअप की खबर। श्रद्धा और राहुल मोदी के ब्रेकअप की खबरें तब आईं जब एक्ट्रेस ने अपने सारे सोशल मीडिया अकाउंट्स से राहुल मोदी को अनफॉलो कर दिया। इतना ही नहीं श्रद्धा ने राहुल मोदी की बहन, उनके प्रोडक्शन हाउस और यहां तक कि उनके कुत्ते का अकाउंट भी अनफॉलो कर दिया है। बताया जा रहा है कि दोनों की राहें जुदा हो गई हैं और अब दोनों अलग हो चुके हैं। हाल ही में श्रद्धा कपूर ने बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ तस्वीर शेयर करके लिखा था, दिल रख ले नींद तो वापस कर दे यार। इस पोस्ट में रोमांटिक गाना लगाकर श्रद्धा ने राहुल को टैग भी किया था, अब इतनी जल्दी क्या हो गया ये तो राहुल और श्रद्धा ही बता पाएंगे। कई लोगों का कहना है कि श्रद्धा कपूर ऐसा अपनी फिल्म 'स्त्री 2' के प्रमोशन के लिए कर रही हैं।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 07 अगस्त , 2024

संक्षिप्त समाचार

महिला को पूर्व पति को बदनाम करना पड़ा महंगा, दिल्ली अदालत ने ठोका 15 लाख जुर्माना

नईदिल्ली, एजेंसी। एक तलाकशुदा महिला को अपने पूर्व पति को बदनाम करना काफी महंगा पड़ गया। दिल्ली की एक अदालत ने न सिर्फ महिला को अपने पूर्व पति की मानहानि के लिए जिम्मेदार ठहराया है बल्कि पति को हर्जाने के रूप में 15 लाख रुपये देने का आदेश दिया है। साकेत जिला कोर्ट के जज सुनील बेनीवाल ने इस मामले की सुनवाई में यह पाया कि पीड़ित व्यक्ति की पूर्व पत्नी के कृत्यों ने उस व्यक्ति को चोट पहुंचाई और उसके पेशेवर विकास में भी बाधा उत्पन्न की।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने 29 जुलाई को अपने आदेश में कहा कि इस मामले के रिकॉर्ड से यह स्पष्ट है कि प्रतिवादी (महिला) ने मानहानि करने वाले कृत्यों में लिप्त है। वादी (पूर्व पति) द्वारा पेश की गई ईमेल/चैट की कॉपी से यह विधिवत साबित हो चुका है, वहीं, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य हलफनामा भी इसकी पुष्टि करता है और इसका खंडन नहीं किया गया है। महिला ने उक्त ईमेल की प्रामाणिकता को चुनौती नहीं दी है और ना ही चुनौती देने के लिए कोई कदम उठाया है।

अदालत शिकायतकर्ता द्वारा अपनी पूर्व पत्नी के खिलाफ दायर मुकदमे पर विचार कर रही थी, जिसमें उसे बदनाम करने और उसके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण और झूठे मुकदमे चलाने के लिए हर्जाने की मांग की गई थी। इन दोनों की शादी 2001 में हुई थी। पति ने आरोप लगाया कि पत्नी 2009 में अपनी नाबालिग बेटी के साथ ससुराल का घर छोड़कर चली गई और विभिन्न अदालतों और अधिकारियों के समक्ष उसके और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ अपमानजनक आरोप लगाकर झूठे मुकदमे दायर करना शुरू कर दिया।

उसने यह भी दावा किया कि पत्नी ने उसे अपनी बेटी से भी मिलने नहीं दिया और बेटी को अपने पिता के प्यार और स्नेह से वंचित कर दिया। इसके अलावा, यह भी तर्क दिया गया कि पत्नी ने अपने ईमेल अकाउंट के माध्यम से अपने दोस्तों के साथ चैट करते समय उसके और उसकी मां के खिलाफ घटिया और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भाजपा खुश, दिल्ली में पार्षद खिलाने लगे मिठाई

नईदिल्ली, एजेंसी। मनोनीत पार्षद (एल्डरमैन) पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा खुश नजर आ रही है। दिल्ली नगर निगम के नेता विपक्ष और राजौरी गार्डन से भाजपा पार्षद राजा इकबाल सिंह ने सोमवार को मध्य जोन से उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की तरफ से दरियागंज के रहने वाले मनोज जैन को मिठाई खिलाई। उन्होंने प्रेसवार्ता कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह स्पष्ट कर दिया है कि दिल्ली नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्ति का अधिकार दिल्ली के उपराज्यपाल को है। इस बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि एमसीडी एक्ट के अनुच्धेद 3 और 3 बी के अनुसार दिल्ली नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्ति उपराज्यपाल के अधिकारों में निहित है और इसके लिए दिल्ली सरकार के सलाह की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने निगम में सत्ता पक्ष पर निशाना साधते आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी को निगम एक्ट में एल्डरमैन की नियुक्ति के संदर्भ में उपराज्यपाल के अधिकारों के बारे में पता था उसके बाद भी आम आदमी पार्टी ने स्थायी समिति अध्यक्ष के चुनावों को नहीं होने दिया। जिसके कारण दिल्ली का विकास रुक गया और नागरिकों को परेशान होना पड़ा। आम आदमी पार्टी की इस हठधर्मी की वजह दिल्ली का विकास दस साल पीछे चला गया है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने पहले निगम को तीन टुकड़ों में विभाजित किया था और दिल्ली की सत्ता में आने के बाद आम आदमी पार्टी की सरकार ने फंड रोककर निगम को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने निगमों की समस्या को समझा और 2022 में एकीककृत दिल्ली नगर निगम का गठन किया। इससे दिल्ली नगर निगम के खर्चे कम हुए जिसका फायदा कर्मियों को वेतन मिलने से हो रहा है। राज्य सरकार, यदि निगम को आर्थिक मदद करती तो बकाये से लेकर रूके हुए विकास कार्य तेजी से होते पर उनकी तरफ से अब भी निगम के 15 हजार करोड़ रूपये नहीं दिए जा रहे हैं। नेता विपक्ष ने कहा ने कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब आम आदमी पार्टी को जल्द से जल्द स्थायी समिति और वार्ड समितियों के चुनाव करवाने चाहिए ताकि रुके हुए विकास कार्य फिर से शुरू हो सकें ।

सुप्रीम फैसले से दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के गठन का रास्ता साफ

समझें एमसीडी का सियासी गणित

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद एमसीडी की स्थायी समिति के गठन का रास्ता साफ हो गया है। स्थायी समिति में कुल 18 सदस्य होते हैं। इन 18 सदस्यों में 12 सदस्य वार्ड समितियों के चुनाव से चयनित होते हैं। छह सदस्यों का चुनाव सदन में होता है।

फरवरी 2023 में स्थायी समिति के छह सदस्यों को चुना गया था। तब आम आदमी पार्टी के तीन और भाजपा के तीन सदस्य चुने गए थे। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद निगम सचिव सबसे पहले सभी 12 जोन की वार्ड समितियों का चुनाव कराने के लिए एक ड्राफ्ट तैयार करेंगे।

इन 12 जोन की वार्ड समितियों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और स्थायी समिति के एक सदस्य चुने जाएंगे। इसके बाद कमलजीत सहरावत, जो फरवरी 2023 में स्थायी समिति की सदस्य चुनी गई थी, उनके सांसद बनने के बाद उनकी जगह पर एक सदस्य का चयन करने के लिए चुनाव होगा। इसके बाद स्थायी समिति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव होगा और फिर इस समिति का गठन आधिकारिक रूप से होगा। विपक्ष इन समितियों के चुनाव कराने की मांग कर रहा है।

सचिव को मेयर से स्वीकृत कराना होगा चुनाव का ड्राफ्ट

पूर्ववर्ती उत्तरी और पूर्वी दिल्ली नगर निगम के प्रेस और सूचना निदेशक योगेंद्र सिंह मान ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के एल्डरमैन पर दिए फैसले के बाद वार्ड समिति और स्थायी समिति के गठन का रास्ता साफ हो गया है। सभी के चुनाव सिविक सेंटर में सदन में होंगे। सभी 12 जोन की वार्ड समिति के चुनाव, स्थायी समिति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव की तिथियों के संबंध में निगम सचिव एक ड्राफ्ट तैयार करेंगे। इसमें सदस्यों के नामांकन समेत चुनाव की तिथि की जानकारी दी जाएगी। इस ड्राफ्ट को सचिव, मेयर से स्वीकृत कराएंगे। मेयर की स्वीकृति के बाद वार्ड समिति, स्थायी समिति को लेकर अधिसूचना जारी होगी।

बड़ी परियोजनाओं को गति मिलेगी

वार्ड समितियों और स्थायी समिति का गठन निर्धारित रूप से होगा। इसके बाद पांच करोड़ रुपये से अधिक के फंड के लिए तैयार परियोजनाओं को स्थायी समिति से स्वीकृति मिलेगी। 50 करोड़ या अधिक फंड से जुड़ी परियोजनाओं पर निगम के नियमों के अनुसार स्थायी समिति ही फैसला ले सकती है। इस समिति का गठन न होने के कारण कई बड़े प्रोजेक्ट जैसे नए अस्पताल, नई इंजीनियरिंग लैंडफिल साइटों के निर्माण से जुड़े प्रोजेक्ट की डीपीआर रिपोर्ट को तैयार करने में भी स्थायी समिति की स्वीकृति प्राप्त की जाती है। अब इन सभी पर फैसला हो सकेगा।

यह है मामला

एलजी ने 10 एल्डरमैन को मनोनीत किया था। इसके खिलाफ दिल्ली सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई थी। दिल्ली सरकार का कहना था कि चुनी हुई सरकार की अनुशंसा पर 10 एल्डरमैन को चुना जाता है। इस संबंध में राज्य सरकार, उपराज्यपाल को मनोनीत पार्षदों को नियुक्त करने के लिए फाइल भेजती है। उस फाइल को देखने के बाद उपराज्यपाल फैसला करते हैं। इस विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार ने याचिका दायर की थी।

क्या होती हैं मनोनीत सदस्यों की शक्तियां

विशेषज्ञों के अनुसार, एल्डरमैन को उपराज्यपाल चुनकर निगम में भेजते हैं, जिन्हें निगम प्रशासन का अनुभव होता है। पूर्व में पार्षद रह चुके हैं या किसी निगम के किसी पद पर रह चुके लोगों को ही एल्डरमैन के तौर पर मनोनीत किया जा सकता है। एल्डरमैन के पास स्थायी समिति के सदस्यों को चुनने के लिए सदन में मतदान करने का अधिकार होता है। साथ ही ये 12 जोन की चुनी हुई वार्ड समितियों में हिस्सा भी ले सकते हैं। इसके अलावा सदन की कार्यवाही के दौरान जनहित से जुड़े मुद्दे भी सदन में उठा सकते हैं, उस पर चर्चा कर सकते हैं।

नोएडा के कॉलेज में स्टूडेंट करने लगे किसिंग और गंदी हरकत, वीडियो वायरल

नईदिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक युवक और युवती का गंदी हरकत वाला आपत्तिजनक वीडियो तेजी से अलग-अलग प्लैटफॉर्म पर वायरल हो रहा है। करीब डेढ़ मिनट के इस वीडियो में युवक-युवती एक दूसरे को किस करने के साथ ही अश्लील हरकतें करते दिख रहे हैं। इस बीच किसी और ने उनकी यह हरकत अपने मोबाइल फोन में कैद रिकॉर्ड कर कर वायरल कर दी। वीडियो वायरल होने के बाद नोएडा पुलिस वीडियो में दिख रहे युवक और युवती की पहचान करने में जुट गई है। यह वायरल वीडियो नोएडा सेक्टर-125 स्थित एक निजी विश्वविद्यालय परिसर का बताया जा रहा है।

नोएडा पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। वीडियो कहां का है कि पुलिस ने अभी तक इसके बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वीडियो में दिख रहे युवक और युवती की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हुआ है उसमें युवक और युवती आपत्तिजनक स्थिति में हैं। वहीं एक कमरे के अंदर से कोई वीडियो बना रहा है।

हालांकि, वहीं कई सोशल मीडिया यूजर्स द्वारा यह दावा किया जा रहा है कि वायरल वीडियो काफी पुराना है और पहले भी वायरल हो चुका है। बता दें कि, लाइव हिन्दुस्तान इस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

छात्र हत्याकांड में गैर जमानती वारंट जारी

वहीं ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली के पीपलका गांव में हुए छात्र कमल हत्याकांड मामले में अभी नौ आरोपी फरार हैं। कोर्ट ने पुलिस रिपोर्ट पर सभी फरार आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिए हैं। दनकौर पुलिस फरार आरोपियों के घर वारंट तामील करने में जुट गई है। 9 जुलाई को दोस्त के साथ प्रेमिका से मिलने गए अस्तौली गांव निवासी छात्र कमल और उसके दोस्त को डेढ़ दर्जन लोगों ने पीट पीट कर अधमरा कर दिया था। अस्पताल में इलाज के दौरान छात्र कमल की मौत हो गई थी। इस संबंध में कमल के चाचा ने पीपलका, नवादा और दादूपुर गांव के 18 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद ही गवाह जुटा सके साहस, वह नहीं हैं साधारण व्यक्ति: हाईकोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। कथित शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को बरकरार रखा। कोर्ट ने गिरफ्तारी को कानूनी बताते हुए कहा, सीबीआई की कार्रवाई में कोई दुर्भावना नहीं थी। गिरफ्तारी की वजह आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो द्वारा गवाहों को प्रभावित होने से बचाना था। केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को गिरफ्तार किया था। अपनी गिरफ्तारी को उन्होंने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा, केजरीवाल कोई साधारण नागरिक नहीं हैं, बल्कि मैग्सेसे पुरस्कार के एक प्रतिष्ठित प्राप्तकर्ता और आम आदमी पार्टी के संयोजक हैं। गवाहों पर उनका नियंत्रण और प्रभाव प्रथमदृष्टया इस तथ्य से सिद्ध होता है कि ये गवाह याचिकाकर्ता (केजरीवाल) की गिरफ्तारी के बाद ही गवाही देने का साहस जुटा सके। पीठ ने कहा कि सीबीआई ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में उनके पद का सम्मान करते हुए जांच एजेसी ने संदेह और सावधानी के साथ काम किया।

हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामले में जमानत के लिए निचली अदालत में याचिका दायर करने की छूट दी है। कोर्ट ने कहा कि जब केजरीवाल ने बेंच के सामने जमानत याचिका दायर की थी, तब निचली अदालत में आरोप पत्र दायर नहीं किया गया था। हालांकि, अब सीबीआई ने विशेष न्यायाधीश के समक्ष आरोप पत्र दायर कर दिया है। आप नेता के लिए यह हित में होगा कि वह जमानत के लिए पहले निचली अदालत में याचिका दायर करें। हाईकोर्ट ने सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर 17 जुलाई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि हालांकि इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि जिला अदालतों और हाई कोर्ट का समवर्ती क्षेत्राधिकार है, लेकिन साथ ही उच्चतम न्यायालय ने बार-बार कहा है कि पक्षकार को पहले प्रथम दृष्टया अदालत में याचिका दायर करनी चाहिए।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था, जहां उन्हें ईडी द्वारा दर्ज धन शोधन के एक मामले में न्यायिक हिरासत में रखा गया था। 21 मार्च को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए मुख्यमंत्री को 20 जून को धनशोधन मामले में उच्चतम न्यायालय ने अंतरिम जमानत दे दी थी। हालांकि सीबीआई मामले में गिरफ्तारी के चलते केजरीवाल जेल से बाहर नहीं आ पाए थे।

सिएटल में अंधाधुंध गोलीबारी, सिर में दिखे जख्म; चार लोग घायल

सैन फ्रांसिस्को , एजेंसी। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही। अब राज्य वॉशिंगटन के सिएटल में गोलीबारी में कम से कम चार लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार,पुलिस को घटनास्थल पर 20 साल की एक लड़की मिली, जिसके सिर पर गोली लगने का घाव था और 20 साल का एक लड़का मिला, जिसकी उंगली में गोली मारी गई थी। जब पुलिस इस घटना की जांच कर रही थी, तब उन्हें शख्स के सिर और उसके पीठ के निचले हिस्से पर गोली के घाव दिखे और उनके एंकल से एक गाड़ी स्वीडिश फर्स्ट हिल अस्पताल के एंट्री गेट से टकरा गई। पुलिस ने आगे जांच में पाया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन पर कई बार गोलियां चलाई गई थीं।

तीसरे शख्स के इस जगह लगी गोली : पुलिस के अनुसार, इसके अतिरिक्त, 20 साल का एक तीसरा व्यक्ति के दाहिने पैर में गोली लगी। गोली लगने के घाव के साथ पास के कैसर परमानेंट मेडिकल केंद्र में चला गया। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी के लिए जिम्मेदार संदिग्ध आरोपी भाग गया और इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, मामले की जांच की जा रही है।

पार्क में गोलीबारी से एक शख्स की मौत: हाल ही में इससे पहले न्यूयॉर्क के रोचेस्टर शहर के एक पार्क में गोलीबारी से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। साथ ही घटना में छह लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस ने इस मामले में घटनास्थल पर मौजूद लोगों से इस घटना का वीडियो भी मांगा।

कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की आधिकारिक उम्मीदवार घोषित

वाशिंगटन , एजेंसी। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने सोमवार को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की आधिकारिक उम्मीदवारी हासिल कर ली। इसी के साथ वह पार्टी की ओर से राष्ट्रपति चुनाव का टिकट पाने वाली पहली भारतीय-अफ्रीकी महिला बन गईं। पिछले महीने राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आगामी चुनाव में राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की घोषणा की थी, जिसके बाद भारतीय मूल की उपराष्ट्रपति हैरिस को सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी का 2024 का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया गया था। बाइडेन के अचानक इस दौड़ से हटने के तुरंत बाद हैरिस और उनकी टीम ने आधिकारिक नामांकन हासिल करने के लिए आवश्यक 1,976 पार्टी डेलीगेट का समर्थन पाने को तेजी से काम किया।

डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के डेलीगेट के पांच दिवसीय ऑनलाइन मतदान के बाद हैरिस की उम्मीदवारी की आधिकारिक घोषणा की गई। पार्टी ने मध्यरात्रि से पहले जारी किए एक बयान में कहा कि 99 फीसदी डेलीगेट ने हैरिस के पक्ष में मतदान किया। बाइडन के उम्मीदवारी वापस लेने के बाद हुए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 46 फीसदी अमेरिकी हैरिस के पक्ष में हैं, जबकि करीब इतने ही लोग उनकी उम्मीदवारी के खिलाफ हैं।

लेकिन ज्यादातर डेमोक्रेट समर्थकों ने कहा कि वे बाइडेन के मुकाबले हैरिस की उम्मीदवारी को लेकर संतुष्ट हैं। कमला देवी हैरिस का जन्म कैलिफोर्निया के ओकलैंड में 20 अक्टूबर 1964 को श्यामला गोपालन और डोनाल्ड हैरिस के घर हुआ था। गोपालन 19 वर्ष की आयु में भारत से अमेरिका आ गई थीं। वह स्तन कैंसर वैज्ञानिक थीं, जबकि डोनाल्ड हैरिस स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे। डोनाल्ड मूल रूप से जमैका से थे। कमला हैरिस ने 2010 में सरकारी अटॉर्नी जनरल बनने से पहले बे एरिया में एक अभियोजक के रूप में काम किया और वह 2016 में सीनेटर चुनी गईं।

सतर्क रहें और सावधानी बरतें, ब्रिटेन जा रहे अपने नागरिकों के लिए भारत ने जारी की एडवाइजरी

लंदन, एजेंसी। लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को ब्रिटेन की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि ब्रिटेन जाने वाले भारतीय सतर्क रहें और सावधानी बरतें। बीते सप्ताह उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के शहर साउथपोर्ट में तीन लड़कियों की चाकू घोंपकर हत्या किए जाने की घटना के बाद पूरे देश में हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इसे देखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है।

लंदन में भारतीय उच्चायोग ने कहा, भारतीय यात्रियों को यूनाइटेड किंगडम के कुछ हिस्सों में हाल ही में हुई अशांति के बारे में पता होगा। लंदन में भारतीय उच्चायोग स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है। भारत से आने वाले पर्यटकों को सलाह दी जाती है कि वे यू.के. में यात्रा करते समय सतर्क रहें और सावधानी बरतें। स्थानीय समाचारों और स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी की गई सलाह का पालन करना और उन क्षेत्रों से बचना उचित है जहां विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित

फिजी , एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया गया। मुर्मू ने दोनों देशों के संबंधों की प्रशंसा की और कहा कि भारत एक मजबूत, लचीला और अधिक समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए फिजी के साथ साझेदारी करने को तैयार है। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवालिली कटोनिवेरे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी पुरस्कार प्रदान किया। यह फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। फिजी की दो दिवसीय यात्रा पर आयीं मुर्मू ने इस सम्मान को भारत और फिजी के बीच ''दोस्ती के गहरे संबंधों का प्रतिबिंब बताया। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस द्वीपसमूह राष्ट्र की पहली यात्रा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने फिजी की संसद को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''जैसे-जैसे भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से उभर रहा है, हम एक मजबूत, लचीला और अधिक समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए आपकी प्राथमिकताओं के अनुसार फिजी के साथ साझेदारी करने के लिए तैयार हैं। आइए, हम अपने दोनों प्रिय देशों के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए अपनी साझेदारी की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए एक साथ आएं। उन्होंने कहा कि आकार में बहुत अंतर होने के बावजूद भारत और फिजी में जीवंत लोकतंत्र समेत काफी कुछ एक समान है। उन्होंने याद किया कि करीब 10 वर्ष पहले इसी हॉल में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ मूल मूल्यों का जिक्र किया था जो भारत और फिजी को जोड़ते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, ''इनमें हमारा लोकतंत्र, हमारे समाज की विविधता, हमारी नस्ल कि सभी मनुष्य समान हैं, तथा प्रत्येक व्यक्ति की स्वतंत्रता, सम्मान और अधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता शामिल हैं। ये साझा मूल्य शाश्वत हैं तथा आगे भी हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने कहा, ''यहां बिताए अपने थोड़े से समय में, मैं देख सकती हूं कि बाकी दुनिया को फिजी से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। फिजी की सौम्य जीवनशैली, परंपराओं तथा रीति-रिवाजों के प्रति गहरा सम्मान, खुला और बहुसांस्कृतिक वातावरण, फिजी को तेजी से संघर्षों में घिर रही इस दुनिया में इतना खास बनाता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि फिजी वह जगह है जहां बाकी दुनिया अपनी खुशियां ढूंढने आती है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सुवा में स्थापित होने वाले 'सुपर स्पेशलिटी कार्डियोलॉजी हॉस्पिटल सहित नयी परियोजनाएं फिजी और व्यापक प्रशांत क्षेत्र के लोगों की प्राथमिकता वाली जरूरतों को पूरा करने में मदद करेंगी।

इससे पहले, राष्ट्रपति मुर्मू का 'स्टेट हाउस में राष्ट्रपति कटोनिवेरे ने स्वागत किया जहां दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। उनके कार्यालय ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''स्टेट हाउस में राष्ट्रपति मुर्मू ने 'राष्ट्र प्रमुखों के आवासों का सौरीकरण परियोजना (सोलेराइजेशन ऑफ हेड्स ऑफ स्टेट रेजीडेन्सेज़) की प्रगति की समीक्षा की। यह एक भारतीय पहल है जिसकी शुरुआत पिछले साल फरवरी में की गयी थी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पता:-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।